राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

मनप्रीत की जूनियर टीम को सलाह...पृष्ठ-7

वर्ष : 06 अंक : 235 नई दिल्ली, बुधवार 25 नवंबर -2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित मूल्य : 02 रूपए । पृष्ठ : 08

कानपुर में 2022 के चुनाव की दिखी आहट

जेपी नड्डा और योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर केन्द्र और राज्य सरकार के कामों को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया

ओपन सर्च.ब्यूरो

कानपुर । उत्तर प्रदेश में अगले साल 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव की आहट को महसूस करते हुये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कानपुर में पार्टी के बूथ प्रबंधन पर जोर देते हुये कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर केन्द्र और राज्य सरकार के कामों को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने बूथ अध्यक्षों से हर घर और घर के हर सदस्य तक पहुंचने की अपील की।

नड्डा ने उत्तर प्रदेश में अपने प्रवास के दूसरे और अंतिम दिन कानपुर में किदवई नगर स्थित बाबा नामदेव गुरुद्वारा में मत्था टेक कर सिख समुदाय को साधने की कोशिश की। गुरुद्वारा में नड्डा और योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार द्वारा करतारपुर कॉरीडोर खोलने सहित सिख समुदाय के हित में किये गये कामों को गिनाया।

इसके बाद नड्डा और योगी कानपुर में साकेत स्थित भाजपा के नवनिर्मित कार्यालय सहित राज्य के आठ अन्य शहरों में नवनिर्मित कार्यालयों का डिजिटल उद्घाटन किया। इस अवसर पर नड्डा ने कांग्रेस और अन्य विरोधी दलों पर परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हुये कहा है कि भाजपा ऐसी पार्टी नहीं है जहां किसी कार्यकर्ता को संगठन में आगे बढ़ने के लिये किसी खास परिवार में जन्म लेना पड़े। उन्होंने कहा, ÷भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जहां सामने बैठा हुआ कर्यकर्ता कल को मंच पर प्रदेश का नेतृत्व कर सकता है। ये कांग्रेस पार्टी नहीं हैं, जहां पर आपको आगे बढ़ने के लिए एक परिवार में पैदा होना पड़ता है

इसके बाद नड्डा और योगी ने कानपुर एवं बुंदेलखंड क्षेत्र के 22143 बूथ अध्यक्षों के साथ निराला नगर मैदान में आयोजित बैठक में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बूथ पर भाजपा की मजबूती पूरे प्रदेश में पार्टी को मजबूत बनाती है। इसलिये बूथ ही भाजपा की असली ताकत है।

उन्होंने कहा, ÷भाजपा को छोड़कर किसी भी पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है। हमारी विचारधारा राष्ट्रवादी है अन्य पार्टियों की विचारधारा वंशवाद है। हमारी विचारधारा राष्ट्रवादी है, उनकी विचारधारा खुद का विकास है।

नड्डा ने विरोधी दलों के परिवारवाद पर हमला बोलते हुये कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद में विश्वास करती है जबकि बाकी दलों का विश्वास भाई-भतीजा चाचा-भांजा पर टिका है। उन्होंने कहा कि भाजपा में बूथ पर काम करने वाले कार्यकर्ता ही आगे चलकर मंच पर बैठते हैं। जबकि दूसरे दलों के पास मैं और मेरा बेटा के बाद बात खत्म हो जाती है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुये नड्डा ने कहा, पहले तो चाचा का भी ख्याल होता था लेकिन अब वह भी छोड़ दिया गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने अपने संबोधन में विपक्ष पर, खासकर सपा और ओवैसी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुये सामाजिक सौहार्द के माहौल को खराब करने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटने की चेतावनी देते हुये आगाह किया है कि उनकी सरकार, माहौल खराब करने वालों से बखूबी निपटना जानती है।

योगी ने सख्त बयानबाजी के लिये चर्चित एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदउद्दीन ओवैसी का जिक्र करते हुये कहा, चचा जान और अब्बा जान के अनुयायी सावधान होकर सुन लें, अगर प्रदेश में भावनाओं को भड़काकर माहौल खराब करोगे तो उत्तर प्रदेश सरकार सख्ती के साथ निपटना जानती है।÷ उन्होंने कहा कि कुछ लोग ओवैसी और सपा के एजेंट बनकर भावनाओं को भड़काने का काम कर रहे हैं।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब दंगा नहीं, दंगामुक्त प्रदेश की पहचान के तौर पर उभरा है। योगी ने कहा, ÷प्रदेश में 2017 के पहले हर तीसरे-चौथे दिन दंगे होते थे, आज यहां से चेतावनी देता हूं कि जो यहां पर नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के नाम पर फिर से भावनाओं को भड़काने का काम कर रहा है, वे प्रदेश का माहौल खराब करने की कोशिश करने की कोई भूल न करें। *शेष पृष्ठ 2 पर*

टीकाकरण के बीच अब देश में बढ़ने लगी बूस्टर डोज की मांग

नई दिल्ली.एजेंसी

कोरोना टीकाकरण के बीच देश में अब बूस्टर डोज की मांग तेज होने लगी है। इसके संबंध में मंगलवार को छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने केंद्रीय मंत्री मंडाविया से अनुरोध किया कि स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कस और 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को कोविड वैक्सीन की बूस्टर डोज देने की प्रक्रिया शुरू की जाए। वहीं, देश में बढ़ रही बूस्टर मांग को लेकर पिछले दिनों ढ्ढष्टरूक्र के महानिदेशक डाक्टर बलराम भार्गव ने कहा कि कोविड -19 के खिलाफ बूस्टर डोज की आवश्यकता का समर्थन करने के लिए अब तक कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। भारत की वयस्क आबादी के लिए वैक्सीन के दूसरी डोज को पूरा करना इस समय सरकार की प्राथमिकता है। डाक्टर भार्गव ने कहा कि भारत में टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की अगली बैठक में बूस्टर खुराक के मुद्दे पर चर्चा होने की संभावना है। सभी वयस्क आबादी के लिए कोविड -19 वैक्सीन की दूसरी खुराक लगाना और यह सुनिश्चित करना कि न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया का टीकाकरण हो। अभी के लिए सरकार की यही प्राथमिकता है। इसके अलावा कोरोना के खिलाफ बूस्टर डोज की आवश्यकता के लिए अब तक कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिले हैं। साथ ही डाक्टर भार्गव ने कहा था कि सरकार ऐसे मामले में सीधा फैसला नहीं ले सकती है। जब भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और विशेषज्ञ टीम कहेगी कि बूस्टर डोज दी जानी चाहिए, तब हम इस पर विचार करेंगे।

कश्मीर में सेल्समैन की हत्या में लिप्त टीआरएफ के तीन आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी) पुलिस ने कश्मीरी पंडित व्यवसायी डा. संदीप मावा की दुकान पर काम करने वाले एक सेल्समैन की हत्या में लिप्त टीआरएफ के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपित जिला पुलवामा के रहने वाले हैं।

अन्य विवरण प्रतीक्षारत हैं। यहां यह बता दें कि गत 9 नवंबर को आतंकियों ने श्रीनगर शहर के डाउन टाउन इलाके में स्थित कश्मीरी पंडित दुकानदार के सेल्समैन को गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी। इस घटना को अंजाम देने के बाद आतंकी घटनास्थल से फरार हो गए थे।

सुरक्षाबलों ने उनकी तलाशी के लिए अभियान छेड़ा था लेकिन आज तक वे बचते फिर रहे थे। मारे गए सेल्समैन की पहचान मोहम्मद इब्राहिम खान के रूप में हुई थी। आतंकियों ने उसे काफी करीब से गोली मारी थी जिस वजह से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। पुलिस स्टेशन महाराज गंज में इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया था और पुलिस आरोपितों की तलाश में जुट गई थी।

मनीष तिवारी की किताब पर सियासी बवाल, भाजपा बोली- यह कांग्रेस की विफलताओं का कुबूलनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)

मुंबई हमले के बाद मनमोहन सिंह सरकार के रवैये पर मनीष तिवारी द्वारा अपनी पुस्तक में उठाए गए सवाल पर भाजपा ने कांग्रेस नेतृत्व पर हमला बोल दिया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सेना को कार्रवाई की अनुमति नहीं देने को हमले में मारे गए वीर जवानों का अपमान बताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से देश से माफी मांगने को कहा है।

भाजपा प्रवक्ता ने मनीष तिवारी की किताब को कांग्रेस की विफलताओं का कुबूलनामा करार दिया। सियासी बवाल बढ़ाता देख तिवारी ने बचाव की कोशिश की। भाजपा प्रवक्ता ने मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरूरत का समर्थन करते हुए कहा कि तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने सेना को खुली छूट नहीं देकर हमले में शहीद हुए पुलिस, एटीएस और एनएसजी कमांडो का अपमान किया। पूर्व एयर चीफ मार्शल फली होमी मेजर के बयान का हवाला देते हुए भाटिया कहा कि हमारी वीर सेना पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से अनुमति मांग रही थी कि हम पाकिस्तान को सबक सिखाएंगे। लेकिन अनुमति नहीं दी गई। इस सिलसिले में उन्होंने अमेरिका के

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पुस्तक का भी हवाला दिया, जिसमें मुंबई हमले के बाद मनमोहन सिंह सरकार के कार्रवाई नहीं करने के निर्णय को गलत ठहराया था। सोनिया गांधी पर सहूलियत की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मनीष तिवारी ने मनमोहन सिंह सरकार के निठल्ली, निकम्मी और देश की सुरक्षा को नजरअंदाज करने के भाजपा के आरोपों पर मुहर लगा दी है। उन्होंने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से चुप्पी तोड़कर देश के सामने यह स्पष्ट करने को कहा कि आखिर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के लिए सेना को इजाजत क्यों नहीं दी गई। उन्होंने मुंबई हमले की रात को राहुल गांधी पर पार्टी करने का आरोप लगाया। मुंबई हमले के दौरान मनमोहन सिंह सरकार के रवैये की तुलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि उरी और पुलवामा हमले का जवाब भारतीय सेना ने सर्जिकल और एयर स्ट्राइक से दी। जब सियासी बवाल बढ़ा तब मनीष तिवारी ने इस पर ट्वीट करते हुए भाजपा के राजनीतिक हमलों को थामने की कोशिश की। तिवारी ने कहा कि पुस्तक के एक अंश पर भाजपा की प्रतिक्रिया से वे हैरान हैं और उन्हें आश्चर्य होगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों से निपटने की उनकी सरकार की रणनीति से जुड़े पुस्तक के अंशों पर वे इस तरह की प्रतिक्रिया देंगे।

कीर्ति आजाद के बाद अशोक तंवर भी तृणमूल कांग्रेस में शामिल, कांग्रेस को झटके पर झटका दे रहीं दीदी

नई दिल्ली (एजेंसी)

जनता दल यूनाइटेड (JDU) के पूर्व नेता पवन वर्मा के बाद पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता कीर्ति आजाद उनकी पत्नी पूनम आजाद और हरियाणा कांग्रेस के पूर्व नेता अशोक तंवर भी मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस (TMC) में शामिल हो गए। बता दें कि टीएमसी की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के दिल्ली दौरे पर हैं। इस बीच ये नेता पार्टी में शामिल हुए हैं। वह 25 नवंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में रहेंगी।

टीएमसी लगातार कांग्रेस को झटका दे रही है। हाल ही में कई नेता ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी में शामिल हुए हैं। बता दें कि पूर्व भारतीय विदेश सेवा अधिकारी पवन वर्मा ने ममता बनर्जी की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। वह जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सलाहकार रह चुके है। पवन वर्मा को साल 2020 में जेडीयू से निष्कासित कर दिया गया था। वह जुलाई 2016 तक सांसद थे। टीएमसी में शामिल होने के बाद पवन वर्मा ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों और ममता बनर्जी की क्षमता को देखते हुए, मैं आज तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुआ हूं। वहीं पार्टी ने ट्वीट करके कहा कि पवन वर्मा का हमारे तृणमूल कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। उनका समृद्ध राजनीतिक अनुभव हमें भारत के लोगों की सेवा करने और इस देश को और भी बेहतर दिनों तक ले जाने में मदद करेगा! टीएमसी में शामिल होने के बाद कीर्ति आजाद ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में मैं राष्ट्र के विकास के लिए काम करूंगा। आज देश को उनके जैसे व्यक्तित्व की जरूरत है जो देश को सही दिशा दे सके। 1983 क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के सदस्य आजाद को दिसंबर 2015 में भाजपा से निलंबित कर दिया गया था। वह 2018 में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। आजाद बिहार के दरभंगा से तीन बार लोकसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 2014 का आम चुनाव भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। बता दें कि पवन वर्मा और कीर्ति आजाद के अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी में अक्टूबर 2019 में कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनाने वाले अशोक तंवर भी शामिल हो गए हैं। वह राहुल गांधी के करीबी के माने जाते थे।

वह 2009-2014 के दौरान सिरसा से सांसद थे और पार्टी की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष भी थे। उन्होंने अक्टूबर 2019 में हरियाणा विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले कांग्रेस छोड़ दी थी। इस साल फरवरी में उन्होंने अपना भारत मोर्चा नाम से पार्टी बनाई थी। तंवर ने कहा कि आज केवल एक ही नेता है, जो भाजपा को हरा सकता है। बंगाल में ममता बनर्जी ने उन्हें हराया। जैसे किसानों ने इस सरकार को अपनी मांगों के आगे झुकाया, मुझे लगता है कि विपक्ष को भी एक साथ आने और 2024 में भाजपा को हराने की जरूरत है।

जेपी नड्डा का विपक्षियों पर तंज, बोले- कांग्रेस तो एक परिवार की आरती और घंटी बजाओ वाली पार्टी

कानपुर (एजेंसी) भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को प्रदेश के कानपुर और आठ जिलों के कार्यालयों के उद्घाटन और बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में विरोधी दलों पर तंज कसा।

नाम लिए बिना कांग्रेस को एक ही परिवार की आरती और घंटी बजाने वाली पार्टी बताया तो समाजवादी पार्टी को भाई, ताऊ और चाचे की विकास वाली पार्टी बताया। कानपुर के निराला नगर मैदान में आयोजित सम्मेलन में मौजूद बूथ अध्यक्षों से उन्होंने कहा कि आप सब लोग अपने आप को बहुत भाग्यशाली समझें, क्योंकि जिस कुल या परिवार में हम पैदा होते हैं इसलिए कई बार उसकी अच्छाइयों को कई बार भूल जाते हैं।

हमें लगता है कि ये तो हमको ऐसे ही मिल गया है। ऐसा नहीं है, आप बहुत भाग्यशाली हैं कि आप भाजपा के कार्यकर्ता हैं। क्योंकि, भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसमें सामने बैठा कार्यकर्ता कल को मंच पर चाहे वो प्रदेश का नेतृत्व करे या पार्टी का नेतृत्व करे और काम करे। ये कांग्रेस पार्टी में संभव नहीं है, उसमें आगे बढ़ने के लिए एक ही परिवार में पैदा होना पड़ता है, बाकी तो सब झालमाल बजाने के लिए हैं। मैं जब उनसे पूछता हूं कि तुम्हारी आत्मा कचोटती नहीं है तो कहते हैं क्या करें नड्डा अब इसमें फंस गए हैं तो फंस गए हैं।

मैंने कहा कि निकल आए क्योंकि यह वह जगह जहां अपने विचार भी रख सकते हो और तथ्यों को भी रख सकते हो। उन्होंने कहा कि अगर साधारण व्यक्तिव के नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बन सकते हैं, अगर साधारण परिवार से उठकर योगी जी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बन सकते हैं, अगर साधारण परिवार से उठकर स्वतंत्रदेव अध्यक्ष बन सकते हैं और मुझ जैसा व्यक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है तो ये संभव है कि आप भी यहां बैठ सकते हैं। यह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में

संभव है, बाकी सभी पार्टियों में आरती गाओ, एक ही परिवार की आरती और वही घंटी बजाओ। कोई विचारधारा नहीं है, हम राष्ट्रवाद से प्रेरित हैं और वो परिवारवाद और वंशवाद से प्रेरित हैं..। हमारा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और उनका खुद का विकास परिवार का विकास, भाई-ताऊ और चाचे का विकास, अबतो चाचे का भी विकास छूट गया है, अबतो सिर्फ अपना विकास रह गया है। यहां संभव है सबके साथ मिलकर चलने की तम्मना है, यह मोदीजी ने हमको सिखाया है, यह मंत्र न सिर्फ पार्टी के लिए नहीं है, ये देश और विश्व के लिए भी है। सभी को परिवार समझकर विकास में जुड़ना और आगे बढ़ाना है। मैंने देखा है कि किस तरह से हमारे साथी विभिन्न विचारधारा से आए हैं, उनका क्या हश्र हुआ है सब देखा है।

कालेज के समय हमारे साथी बोलते थे नड्डा यू हैव ब्राइट फ्यूचर, व्हाय आर यू इन एबीवीपी आरएसएस, यू शुड बी इन कांग्रेस..। आज हम पूछते हैं व्हाट अबाउट योर फ्यूचर तो जवाब देते हैं कि अरे हमे क्या, हमे परेशान मत करो तो हम कहते तीस साल पहले की याद दिला रहा हूं।

उन्होंने कहा कि पहले जब हमारे वामपंथी साथी कैंटीन में सिगरेट के गुलछर्रे उड़ाते मिलते थे, कहते थे नड्डा क्रांति ताकत से आती है। अब मैं उनसे पूछता हूं कहां गई क्रांति तो अब बोलते हैं कि अरे नड्डु तुम हमारे को क्यूं छेड़ रहे हो। लेकिन, मेरे को मन खुशी होती है कि भगवान ने जिस विचारधारा से मुझे जोड़ा था, वही सही रास्ता निकला और आज हम उस रास्ते पर चल रहे हैं। आप सभी से निवेदन करने आया हूं कि नौजवान तीस साल बाद आपको सौभाग्य मिले कि आप कहें भारत को विश्वगुरु बनाने में मोदी जी के नेतृत्व में जो काम किया था उसमें हमको भी शामिल होने का मौका मिला था। इसको आ कह सकेंगे और इसे अहसास करना चाहिये।

तीस-चालीस साल बाद जब आपका पौत्र पूछेगा कि बाबा आप क्या कर रहे थे तो उस समय फख से कह सकेंगे विश्वगुरु बनाने में हम लोग भी योगदान दे रहे थे। यह कहने का मौका मिलेगा। आप पूरी ताकत से इस काम को आगे बढ़ाएं, पार्टी को मजबूत बनाएं और कमल का फूल खिलाएं। कमल की फूल की तरह भारत भी अग्रसर हो, इस कामना को लेकर सभी लोग अपने जीवन का आहूत चढ़ाएं। इस पवित्र काम में आप सबको जोड़े।

एक नज़र

बिजनौर में प्रतिष्ठित दंत चिकित्सक से साइबर ठगी की कोशिश,ऐसे बचाया खुद को

बिजनौर (एजेंसी) साइबर ठगों हर ओर अपना जाल बिछा रखा है। यहां नजीबाबाद में नगर के प्रतिष्ठित दंत चिकित्सक साइबर ठगी का शिकार होने से बच गए।9 डॉक्टर को एक अनजान व्यक्ति ने मोबाइल पर विद्युत अधिकारी को दीपावली पर्व पर गिफ्ट में मिले एयर कंडीशनर को सस्ते दाम पर उपलब्ध कराने का प्रलोभन दिया था। ठगी की आशंका को भांपते हुए दंत चिकित्सक ने इस धोखाधड़ी की गहराई तक पहुंचने की कोशिश की। मंगलवार सुबह फोन करने वाले व्यक्ति ने नगर के एक इलेक्ट्रॉनिक प्रतिष्ठान से नया एसी चिकित्सक के आवास पर पहुंचा दिया और बिल भी उन्हीं के नाम का उपलब्ध करा दिया। जिसका भुगतान अनजान व्यक्ति द्वारा संबंधित प्रतिष्ठान को यह कहकर नहीं किया गया कि एसी डा. राजीव अरोड़ा के आवास पर भेजा जा रहा है। इस बारे में प्रतिष्ठान संचालक ने चिकित्सक से बात कर पुष्टि कर ली। अनजान व्यक्ति ने कम दाम पर एसी उपलब्ध कराने की बात कहकर 20 हजार रुपये गूगल पे करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। अनजान व्यक्ति द्वारा साइबर ठगी के लिए बिछाए गए जाल को समझते हुए चिकित्सक ने गूगल पे नहीं किया। साथ ही धोखाधड़ी से इलेक्ट्रॉनिक प्रतिष्ठान संचालक को अवगत कराते हुए उनका एसी उन्हें वापस लौटा दिया। डा.राजीव अरोड़ा ने धोखाधड़ी की कोशिश की तहरीर पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस को वह नंबर भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिनसे कॉल की गई और गूगल पे करने के लिए कहा गया। अब पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गोंडा में प्रभारी प्रधानाध्यापक की शर्मनाक करतूत, कक्षा दो की छात्रा से की छेड़खानी; निलंबित

गोंडा (एजेंसी) कर्नलगंज क्षेत्र के एक परिषदीय स्कूल में पढ़ रही कक्षा दो की छात्रा के साथ छेड़खानी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। छात्रा ने परिवारजन को जानकारी दी। आक्रोशित घरवालों ने हंगामा शुरू कर दिया। आरोपित प्रभारी प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया गया है। बीएसए व पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर परिवारजन से जानकारी हासिल की। छात्रा के पिता ने दी गई तहरीर में कहा कि उसकी सात वर्षीय बेटी परिषदीय स्कूल में कक्षा दो में पढ़ती है। सोमवार को वह स्कूल गई थी।

आरोप लगाया कि प्रभारी प्रधानाध्यापक किताब देने के बहाने उसकी बेटी को कमरे में ले गए। जहां उसके साथ छेड़खानी की। बेटी ने घर पहुंचकर स्वजन को जानकारी दी। इसके बाद मंगलवार को परिवारजन ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया। जिला प्रशासन को सूचना दी गई। डीएम मार्कण्डेय शाही ने तत्काल बीएसए को मौके पर भेजा। इसके अलावा पुलिस ने भी विद्यालय पहुंचकर जांच की। शाहपुर चौकी पुलिस ने आरोपित शिक्षक को हिरासत में ले लिया है। वहीं बीएसए जयप्रताप सिंह व खंड शिक्षाधिकारी सीमा पांडेय ने भी जांच की।

बालिका के स्वजन से घटना के संबंध में जानकारी हासिल की। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि आरोपित प्रभारी प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया गया है। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। लोगों में आक्रोशः घटना की जानकारी होने पर गांव के लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया। अधिकारियों ने स्वजन के साथ ही साथी शिक्षकों व रसोइयों का बयान लिया है। खंड शिक्षा अधिकारी से पूरी रिपोर्ट मांगी गई है। इसके अलावा बीएसए ने तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी है।

तत्काल रिपोर्ट मांगी गई है। हुई थी कार्रवाईः इससे पहले भी कर्नलगंज के एक स्कूल में एक छात्र की टीसी पर चरित्रहीन लिखने का मामला सामने आया था। इसमें भी तत्कालीन बीएसए ने कार्रवाई की थी।

गोरखपुर में छेड़खानी के आरोप में युवक को खंभे में बांधकर पीटा, पुलिस ने छुड़ाया

गोरखपुर (एजेंसी) गुलरिहा के तरकुलहा गांव में कोटेदार की दुकान पर राशन लेने पहुंचे युवक पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए गांव के लोगों ने पकड़ लिया। एक घंटे तक खंभे में बांधकर उसे पिटाई करने के बाद डायल 112 पर फोन कर सूचना दी। मौके पर पहुंचे पीआरवी के सिपाहियों ने युवक को मुक्त कराया। अपनी अभिरक्षा में बाइक के साथ उसे भटहट पुलिस चौकी ले आए। गुलरिहा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुशीनगर के बोदरवार निवासी सलमान गुलरिहा थाना क्षेत्र के मोहम्मद बरवां में अपने मामा के घर रहता है। वह तरकुलहा गांव में कोटेदार के घर राशन लेने गया था। इसी दौरान साइकिल पर पुआल लेकर कर जा रही युवती से कहासुनी हो गई। जिसके बाद गांव के लोगों ने छेड़खानी का आरोप लगाते हुए सलमान की पिटाई शुरू कर दी। बचने के लिए वह बाइक छोड़कर भागा 500 मीटर दूर तक पीछा कर पकड़ लिया और बिजली के खंभे में बांधकर पिटाई की। एक घंटे बाद डायल 112 पर फोन कर सूचना दी।

बाइक के साथ ही युवक को पीआरवी के सिपाही भटहट पुलिस चौकी ले आए। प्रभारी निरीक्षक गुलरिहा चंद्रहास मिश्र ने बताया कि मामूली कहासुनी में युवक को खंभे में बांधकर पीटने की जानकारी हुई है। डायल 112 नंबर की पुलिस ने युवक को बंधन मुक्त करा कराया है। घटना के संबंध में किसी ने तहरीर नहीं दी है। दो माह पहले युवक की पीटकर हत्या के मामले में फरार आरोपित श्रीनिवास विश्वकर्मा को चौरीचौरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

प्रभारी निरीक्षक चौरीचौरा श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि भाऊपुर निवासी संतोष यादव की दो माह पहले पीटकर हत्या कर दी गई थी। स्वजन ने केशव पट्टी गांव के तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था। दो आरोपित पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं।

गोरखपुर में बैंक से रुपये निकालकर घर जा रही महिला से लूट

गोरखपुर (एजेंसी) बेटे की शादी के लिए बैंक से 49 हजार रुपये निकालकर घर लौट रही महिला से बदमाशों ने 49 हजार रुपये लूट लिए।शोर मचाने पर आसपास के लोग जब तक पहुंचे बदमाश दूर निकल गए। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पिपराइच के वार्ड नंबर तीन में अग्रवाल विवाह भवन के पास रहने वाली अफसरी देवी का एसबीआइ के ताज पिपरा शाखा में खाता है। वह अपने खाते से 49 हजार रुपये निकालने के बाद बैग में रखकर घर लौट रही थीं।

घर से 200 मीटर पहले रामा रोड पर पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाश ने झपट्टा मारकर उनके हाथ से बैग छीन लिया। बैग में रुपये के अलावा दवा, पासबुक,आधार कार्ड और पैन कार्ड था। अफसरी देवी ने बताया कि 27 नवंबर को छोटे बेटे अब्दुल अन्नान की शादी है। सऊदी में रहने वाले रहने वाले बड़े बेटे अब्दुल मन्नान ने खर्च के लिए रुपये भेजा था। सीसी चौरीचौरा अखिलानंद उपाध्याय ने बताया कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल चल रही है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश पिपराइच थानेदार को दिए गए हैं। तीहा मुहम्मदुर गांव में अंडरपास के पास मजदूरों की पिटाई कर बदमाशों ने 40 हजार रुपये छीन लिए।

वारदात के बाद जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। मजदूरों की सूचना पर पहुंची बड़हलगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है। अंडरपास के पास काम कर रहे राहुल पासवान, गोविंद, मनोज व गोविंद ने पुलिस को दी तहरीर में लिखा है कि में वे लोग काम कर रहे थे। इसी दौरान छह की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने सरिया से पिटाई शुरु कर दी। बाइक की डिक्की में रखे मजदूरी के 40 हजार रुपये छीनकर आरोपित फरार हो गए। बड़हलगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है। नौ नवंबर को बदमाशों ने बाजार से लौ रही गोपालपुर निवासी रवींद्री देवी का के गहने छीन लिए थे।शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटे इससे पहले ही आरोपित फरार हो गए। महिला के सूचना देने पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

क्या उत्तर प्रदेश का अगला चुनाव Koo App पर लड़ा जाएगा? तमाम पार्टियों के नेताओं समेत प्रशासन ने पहले ही बना लिए अपने ऑफिशियल अकाउंट्स

तमाम राजनीतिक दलों से उत्तर प्रदेश के 50 फीसदी से ज्यादा चुने गए विधायक हैं प्लेटफॉर्म पर सक्रिय

मुख्यमंत्री कार्यालय, यूपी पर्यटन, प्रेस इंफ़ॉरमेशन ब्यूरो, पुलिस समेत प्रदेश के तमाम विभाग लोगों तक जानकारी पहुँचाने के लिए कर रहे हैं Koo

ओपन सर्च

लखनऊ। XX नवंबर 2021 : इंडियन माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म Koo App, उत्तर प्रदेश में काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। प्रदेश के 250 से ज्यादा विधायकों और लगभग 41 सांसदों ने जनता से सीधा संवाद करने के लिए इस सोशल मीडिया ऐप को चुना है. (UP MLAs on Koo) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ तो पहले से ही इस ऐप पर काफी सक्रिय हैं और सभी जानकारियां साझा करते रहते हैं। अब इस प्लेटफॉर्म पर उत्तर प्रदेश के मौजूदा आधे से ज्यादा विधायक भी जुड़ गए हैं। हिंदी भाषी यूजर्स की बहुलता वाले इस ऐप पर उत्तर प्रदेश के लोग भारी संख्या में हैं जिसकी वजह से ये इंडियन ऐप (Indian App Koo) उत्तर प्रदेश के नेताओं की भी पहली पसंद बनता जा रहा है। इतने भारी संख्या में विधायकों का Koo App ज्वाइन करना ये साफ करता है कि इस बार गेम चेंजर साबित होगा (Koo is game changer for upcoming elections 2022). भारत में बना यह प्लेटफॉर्म लोगों को अपनी मातृभाषा में खुद को अभिव्यक्त करने और एक-दूसरे के साथ ऑनलाइन बातचीत करने में सक्षम बनाता है। Koo App पर हिंदी एक प्रमुख भाषा के रूप में मौजूद है और प्लेटफॉर्म के 1.50 करोड़ यूजर्स में से 50 प्रतिशत से अधिक हिंदी में एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हैं। वर्तमान में इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उत्तर प्रदेश की प्रमुख हस्तियों द्वारा अच्छी तरह से प्रतिनिधित्व किया जा रहा है।

इनमें सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ; उपमुख्यमंत्री और फूलपुर विधानसभा से विधायक केशव प्रसाद मौर्य; लखनऊ से विधायक और उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा; कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही; इलाहाबाद दक्षिण से विधायक और कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और चित्रकूट से भाजपा विधायक चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय भी शामिल हैं। इसके अलावा, प्रयागराज से सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री और अमेठी लोकसभा क्षेत्र से सांसद स्मृति जुबिन ईरानी; भारत सरकार की वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, मिर्जापुर से सांसद सुब्रत पाठक; कानपुर से सांसद सत्यदेव पचौरी और जौनपुर लोकसभा से सांसद श्याम सिंह यादव के Koo App पर सक्रिय हैंडल हैं। इसके अलावा, भाजपा के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी; देवरिया से बहुजन समाज पार्टी के महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा; वाराणसी से आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद; आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह; इटावा से प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के संस्थापक और अध्यक्ष शिवपाल यादव और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के गाजीपुर विधायक ओम प्रकाश राजभर इस मंच पर सक्रिय हैं। समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), आजाद समाज पार्ट, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नेताओं के अलावा एआईएमआईएम उत्तर प्रदेश और पीस पार्टी जैसे राजनीतिक दलों के भी Koo App पर आधिकारिक अकाउंट हैं।

इसके साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री कार्यालय, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, उत्तर प्रदेश पर्यटन, संस्कृति विभाग, प्रेस इंफ़ॉरमेशन ब्यूरो समेत कई विभाग इस मंच पर आकर जनता के साथ संवाद स्थापित करने में सक्रिय हैं। Koo App पर इनकी मौजूदगी से प्रदेश के लोगों के साथ जानकारी और दिलचस्पी भरी सूचनाएं नियमित रूप से साझा किए जाने के साथ ही उनसे चर्चा की जाती है। Koo App पर हिंदी सबसे प्रमुख भाषा के रूप में सामने आई है। इस वर्ष सितंबर में हिंदी दिवस के साथ ही भारत में हिंदी की प्रसिद्धि और समृद्धि को मनाने के लिए #KooHindiFest2021 की पहल की गई थी। एक सप्ताह तक चलने वाले इस हिंदी महोत्सव को मशहूर गायक पलाश सेन ने लॉन्च किया था।

यूपी के सभी जिलों में होगी अब कोरोना संक्रमण की जांच, दिसंबर तक खुल जाएंगी 15 और बीएसएल लैब

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में अब कोरोना जांच की लैब होगी। अभी 60 जिलों में कोरोना जांच की लैब है। बाकी 15 जिलों में दिसंबर के अंत तक शुरू करने की तैयारी की जा रही है। बायो सेफ्टी लेवल (बीएसएल) टू की इन लैब को स्थापित करने का काम तेजी से किया जा रहा है। इन लैब के तैयार होने से कोविड ही तरह दूसरी बीमारियों की भी जांच हो सकेगी। देश में सबसे ज्यादा 8.66 कोरोना टेस्ट यूपी में किए गए हैं।

कोरोना से बचाव के लिए प्रदेश में शुरुआत से ही जांच पर काफी जोर दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में बीएसएल लैब तैयार की जा रही है। इसे अगले माह तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इन लैब के तैयार होने से कोविड ही तरह दूसरी बीमारियों की भी जांच हो सकेगी। स्वास्थ्य महानिदेशालय की ओर से सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया है कि लैब में लंबित कार्यों का पूरा विवरण भेजें।

प्रदेश में दो साल पहले सिर्फ चार बीएसएल लैब थी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य महानिदेशक डा. वेदब्रत सिंह ने बताया कि जिन 15 जिलों में कोरोना जांच की लैब स्थापित की जा रही हैं उनमें चित्रकूट, उन्नाव, फतेहपुर, बाराबंकी, महाराजगंज, ललितपुर, कौशांबी, कानपुर देहात, हाथरस, गाजीपुर, श्रावस्ती, मैनपुरी, एटा, लखीमपुर खीरी और बलरामपुर शामिल है। इन लैब के लिए उपकरण खरीदने का काम तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल अब इन जिलों के लोगों की कोरोना जांच के लिए सैंपल दूसरे जिलों में नहीं भेजने होंगे। न सिर्फ समय पर जांच के नतीजे आएंगे बल्कि बीएसएल लेवल टू की लैब में टेस्ट भी ज्यादा सटीक होगा। अब सभी जिलों में कोरोना लैब होने पर आगे संक्रमण बढ़ने पर तेजी से जांच की जा सकेगी। इस लैब के बनने से कोविड के अलावा अन्य बीमारियों की भी जांच हो सकेगी।

यूपी चुनाव से पहले 58 हजार ग्राम प्रधानों को बड़ा उपहार देने जा रहे सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य के 58,189 ग्राम प्रधानों की मांग को पूरा करते हुए बड़ा उपहार देने जा रही है। राज्य सरकार प्रधानों के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार बढ़ाने जा रही है।

इसके तहत वे गांवों के विकास के लिए फंड जारी करा सकेंगे। पिछले दिनों गांव के मुखिया का मानदेय व वित्तीय अधिकार बढ़ाने के साथ ही पंचायत प्रतिनिधि कल्याण कोष बनाने सहित छह मुद्दों पर अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास व ग्राम प्रधानों के बीच सहमति बन गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पांच दिसंबर को राजधानी में ग्राम प्रधान सम्मेलन में इस संबंध में ऐलान कर सकते हैं। ग्राम पंचायतों में स्थानीय सरकार का कामकाज शुरू हो रहा है। प्रधानों को दो चरणों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सरकार ग्राम प्रधानों की वर्षों से लंबित समस्याओं व मांगों का निस्तारण करा

रही है। राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन व अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह के बीच अगस्त, सितंबर और अक्टूबर माह में तीन बार बैठक हो चुकी है। पिछली बैठक में आठ बिंदुओं पर चर्चा हुई। संगठन का दावा है कि छह बिंदुओं पर सहमति बन गई है। संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ललित शर्मा ने बताया कि गांवों में पंचायत प्रतिनिधि कल्याण कोष का गठन करने पर सहमति बनी है। इसमें ग्राम प्रधान या सदस्य आदि की किसी हादसे में निधन होता है तो कोष से उनके आश्रितों की मदद की जाएगी। प्रधानों ने सुझाव दिया कि सरकार चाहे तो राज्य वित्त के धन में कटौती करके यह कोष बना सकते हैं लेकिन, अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार इसके लिए अलग से बजट का प्रविधान करेगी। पंचायतों में ग्राम प्रधान को अभी तक दो लाख रुपये की स्वीकृति देने का अधिकार है इसे दो लाख रुपये और बढ़ाने की तैयारी है। इसी तरह से प्रधानों के प्रशासनिक अधिकार भी बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि जिला योजना में प्रधानों को सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व मिल सकता है। ग्राम प्रधानों को अब तक 3500 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिल रहा है इसे बढ़ाने की तैयारी है। प्रधानों का कहना है कि रोजगार सेवक को 10 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं उसे देखते हुए बढ़ोतरी की जाए।

गांवों में विकास कार्य कराने के लिए स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञ की सेवा लेने की छूट मिल सकती है। अभी तक ब्लाक स्तर का तकनीकी अधिकारी ही सभी गांवों का कामकाज देखता है। मनरेगा के तहत मैटेरियल आपूर्ति ग्राम पंचायत को देने व प्रधानों को मनरेगा के भुगतान का अधिकार देने पर भी सहमति बनी है।

बदायूं में टेंट खोलते समय हुआ हादसा, करेंट की चपेट में आया टेंट मालिक, हुई मौत

बरेली (एजेंसी) बदायूं में दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला में गोद भराई की रस्म को टेंट लगा था। कार्यक्रम खत्म हो जाने के बाद पंडाल के पाइप खोलते समय टेंट का पाइप 11 हजार की लाइन से टच हो जाने पर टेंट मालिक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। सोमवार को नगला गांव में मुंशीलाल की बेटी मधु की गोद भराई का कार्यक्रम था।

गांव का ही राम बहादुर टेंट का व्यवसायी है मुंशीलाल उसके मौसा लगते हैं। देर रात तक कार्यक्रम चला तमाम रिश्तेदार चले गए सुबह लगभग 8 बजे टेंट मालिक रामबहादुर और विजय पुत्र मुंशीलाल लड़की का भाई दोनों टेंट को उखाड़ रहे थे। राम बहादुर नीचे खड़ा था जबकि विजय सीढ़ी के ऊपर चढ़ा हुआ था। पाइप को निकाल रहा था जिस जगह पंडाल लगा था। उसके ऊपर 11 हजार हाईटेंशन की लाइन जा रही थी। विजय ने पाइप निकाला नीचे से राम बहादुर ने पाइप पकड़ा था।

पाइप लाइन टच हो जाने पर दोनों को करंट लग गया। राम बहादुर की मौके पर मौत हो गई जबकि विजय करंट लगने से झुलस गया। स्वजन दोनों को सीएचसी अस्पताल ले आए जहां डॉक्टर ने राम बहादुर को मृत घोषित कर दिया।

आगरा में बरातियो से मारपीट और पथराव, दूल्हे माता-पिता घायल

आगरा (एजेंसी) एत्माद्दौला के फाउंड्री नगर इलाके में बरात में घुसे अराजक तत्वों ने बवाल कर दिया। उन्होंने बरातियों से मारपीट के बाद पथराव कर दिया। जिसमें दूल्हे के माता-पिता समेत तीन लोग घायल हो गए।

मामले में पीड़ित पक्ष ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। घटना रविवार की देर रात की है। न्यू आगरा के लश्करपुर निवासी जतिन की बरात फाउंड्री नगर में रामगोपाल के घर आई थी। दुल्हन के घर से 100 मीटर दूर बरात चढ़कर जा रही थी। बराती नाच रहे थे। इसी दौरान बरातियों के बीच में 10 से 15 युवक घुस गए।

उन्होंने नाच रहे बरातियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। यह देख दूल्हे की मां युवकों को वहां से भगाने का प्रयास किया। जिस पर युवकों ने दूल्हे की मां पर हमला कर दिया। इसके बाद दूल्हे के पिता को धारदार हथियार से प्रहार करके घायल कर दिया। जिससे बरात में अफरातफरी मच गई। मारपीट करते युवकों को बरातियों ने एकजुट होकर घेराबंदी कर दबोचने का प्रयास किया।

युवकों ने बरातियों पर पथराव शुरू कर दिया। जिसमें कई बराती घायल हो गए। घटना के बाद हमलावर युवक वहां से भाग गए। बरातियों के सूचना देने पर पुलिस पहुंच गई। उसने हमले में घायल दूल्हे के पिता समेत तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा।

पीड़ितों ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ एत्माद्दौला थाने में तहरीर दी है। इंस्पेक्टर देवेंद्र शंकर पांडेय ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपितों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

मायावती ने कहा, यूपी चुनाव में 2007 की तरह ही आएंगे नतीजे, जारी किया उपलब्धियों का फोल्डर

लखनऊ (एजेंसी) बहुजन समाज पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जनता के बीच वादों का पिटारा लेकर नहीं जाएगी, बल्कि उपलब्धियों के खजाने से लोगों को लुभाएगी। चार बार के शासन में हुए कार्यों का पत्रक (फोर्डर) तैयार कराया गया है।

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती सोमवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि ये पत्रक आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि लोग जान सके कि इसी तर्ज पर बसपा विकास कार्य कराएगी। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में इस बार वर्ष 2007 की तरह ही नतीजे आएंगे। उन्होंने कहा बसपा शासनकाल की तरह किसी भी सरकार ने कार्य नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमने 2007 से 2012 के दौरान सत्ता में रहते हुए जो विकास के कार्य किए। उनका प्रचार करके ही जनता से समर्थन मांगेंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि चुनाव की तैयारी में जुटें। उन्होंने कहा कि पार्टी घोषणापत्र जारी नहीं करती, बल्कि करके दिखाने में विश्वास करती है। बसपा ने देश की आजादी के बाद सबसे अधिक विकास कराया है। उत्तर प्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि सूबे की 86 सुरक्षित विधानसभा सीटों के अध्यक्षों को बुलाया है उनके साथ मंथन करेंगे कि 2007 की तरह सभी सीटों को कैसे जीता जाए। सभी 75 जिलों के पदाधिकारियों से वार्ता कर रही हूं, लगातार रिव्यू जारी है। उन्होंने कहा कि वह इन सभी सीटों पर तैयारियों की खुद समीक्षा करेंगी साथ ही पार्टी के महासचिव सतीश मिश्रा को भी यह जिम्मेदारी दी गई है कि वह इन सभी सीटों पर ब्राह्मणों को जोड़ने के लिए समीक्षा करें और एक नया समीकरण तैयार करें। राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक फोल्डर तैयार किया गया है जिसे कार्यकर्ता गांव-गांव तक पहुंचाएंगे। एक नई रणनीति तैयार करने को भी कहा गया है।

मायावती ने कहा कि उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों को सपा और भाजपा अपना बताती रही हैं। ऐसे में लोगों तक यह जानकारी पहुंचाना बहुत जरूरी है। बीएसपी चीफ मायावती ने कहा कि केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानून तो वापस ले लिए हैं, लेकिन सरकार को किसान संगठनों के साथ बैठ कर उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए ताकि किसान लोग खुशी-खुशी अपने घर वापस जाकर अपने काम में लग जाएं।

एक नज़र

सड़क पर शराब पीने से मना किया तो दिल्ली पुलिस के एएसआइ की बीच सड़क पर हुई पिटाई

नई दिल्ली (एजेंसी) पश्चिम विहार वेस्ट थाना क्षेत्र में सड़क पर शराब पीने से मना करने पर चार युवकों ने दिल्ली पुलिस के एएसआइ की पिटाई कर दी। पुलिसकर्मी की पिटाई होते देख लोगों ने उन्हें बचाया और चारों आरोपितों को दबोच कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और मारपीट का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। एएसआइ राजपाल सिंह की तैनाती पश्चिम विहार वेस्ट में है।

शनिवार रात वह इलाके में गश्त कर थे। इसी दौरान उन्होंने पीरागढ़ी मेट्रो स्टेशन के पास एक कार के सामने शराब की बोतल और ग्लास रखकर चार युवकों को शराब पीते देखा। राजपाल ने वहां पहुंचकर युवकों को समझाने की कोशिश की और खुलेआम शराब पीने से मना किया। गुस्साए युवकों ने एएसआइ के साथ मारपीट शुरू कर दी। एक युवक मोबाइल से मारपीट का वीडियो बनाने लगा। आसपास के लोगों ने हमला करने वाले चारों युवकों को दबोच कर घटना की जानकारी पुलिस को दी। एएसआइ के बयान पर मामला दर्ज कर पुलिस ने चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपितों में अमित, विजय, राहुल व फखरुद्दीन शामिल हैं।

वहीं, गुलाबीबाग थानाक्षेत्र में हुई चोरी के एक मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर 24 घंटे के अंदर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक चोर को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर चोरी के पांच लाख रुपये मूल्य के जेवर भी बरामद हो गए, जिन्हें पीड़ित परिवार को सौंप दिया। उत्तरी जिले के डीसीपी के मुताबिक प्रताप नगर निवासी मुकेश कुमार ने 20 नवंबर को दी शिकायत में बताया था कि वह अपने भांजे के साथ विवाह समारोह में शामिल होने बंकर कालोनी, अशोक विहार गए थे। रात करीब एक बजे जब लौटे तो घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा पाया। अंदर जाने पर घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त मिला। लोहे की आलमारी के ताले टूटे थे और गहने गायब थे। पुलिस के घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर दो युवक संदिग्ध हालत में दिखे।

राष्ट्रपति कार्यालय में तैनात कर्मचारी से शास्त्री पार्क में लूट, जरूरी कागजात भी ले गए बदमाश

नई दिल्ली (एजेंसी) शास्त्री पार्क इलाके में तीन बदमाशों ने राष्ट्रपति कार्यालय में तैनात एक सहायक को लूट लिया। वारदात के वक्त पीड़ित ड्यूटी से अपने घर लौट रहे थे, सिग्नेचर ब्रिच के पास लघुशंका के लिए रूके थे। उसी दौरान बदमाशों ने उनसे बैग लूट लिया। पीड़ित तारानाथ कोइराला के बयान पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पीड़ित के बैग में 40 हजार रुपये, बैंक की चेकबुक व कई जरूरी कागजात थे।

पुलिस वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार, तारानाथ कोइराला परिवार के साथ हयात एन्क्लेव लोनी गाजियाबाद में रहते हैं। उनकी तैनाती राष्ट्रपति भवन में है। शनिवार रात को वह ड्यूटी से घर लौट रहे थे। रात 11:15 बजे सिग्नेचर ब्रिज के पास पहुंचने पर वह लघुशंका के लिए रूके। बैग को अपने कंधे पर टांग लिया, उसी दौरान तीन बदमाश आए और उनसे जबरन बैग लूट लिया। वारदात के बाद बदमाश यमुना खादर में फरार हो गए। डर की वजह से पीड़ित बदमाशों के पीछे नहीं गए। पीड़ित ने किसी तरह मामले की सूचना पुलिस को दी।

वहीं, दयालपुर इलाके में मीट कारोबारी की दुकान पर गोलियां चलाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान कबीर नगर निवासी साकिब उर्फ दानिश के रूप में हुई है। दानिश ने अपने दोस्त शानू के साथ मिलकर इरशाद नाम के कारोबारी की दुकान पर गोलियां चलाई थी। पुलिस को जांच में पता इरशाद का छोटा भाई मुस्तकीम आरोपित साकिब की बहन को परेशान कर रहा था। डराने धमकाने की नियत से आरोपितों ने वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने इसके पास से वारदात में इस्तेमाल स्कूटी भी बरामद की है। पुलिस शानू की तलाश कर रही है।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फर्जी कागजात पर विदेश जाने की कोशिश, पुलिस के हत्थे चढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी) इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इन दिनों ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें कोई यात्री फर्जी कागजात पर भारत से बाहर जाने तो कोई विदेश से भारत लौटने की ताक में था। पुलिस ने ऐसे यात्रियों के खिलाफ धोखाधड़ी व फारनर्स एक्ट में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सुखदेव सिंह नामक एक यात्री फैंकफर्ट से एयरपोर्ट पर उतरा। यहां जब उसने एयरपोर्ट पर तैनात अधिकारियों को अपना पासपोर्ट दिखाया तो अधिकारियों को संदेह हुआ।

जब कागजात की जांच की गई तो पाया कि आरोपित यात्री ने किसी और के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर फ्रैंकफर्ट से नई दिल्ली तक की यात्र की है। वहीं एक अन्य मामले में मूल रूप से तेलंगना के चार नागरिकों को एयरपोर्ट पर तब पकड़ लिया गया, जब वे कोलंबो जाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस के अनुसार आरोपितों के पास वीजा नहीं था। एक अन्य मामले में एन खान नामक यात्री को तब पकड़ा गया, जब वह सउदी अरब जाने की कोशिश कर रहा था। उसने जानबूझकर पासपोर्ट के कुछ पन्ने अलग कर दिए ताकि पासपोर्ट से जुड़ी गड़बड़ी का पता नहीं चले। सभी मामलों की तहकीकात जारी है। इससे पहले बांग्लादेश का नागरिक फोजिल रब्बी शिपोन, रसल उर्फ सहिदुल शेख, अख्तौजमां तलुकदार, बंगाल निवासी सौरव घोष उर्फ बशीर, द्वारका निवासी विभोर सैनी व बुराड़ी निवासी फहीम खान शामिल था।

गिरोह का सरगना अख्तौजमां तलुकदार है। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने तीन मोबाइल फोन, 15 फर्जी इमीग्रेशन स्टाम्प, दो कम्प्यूटर, 27 फर्जी पासपोर्ट, जिसमें 13 भारतीय, 12 बांग्लादेशी व 2 नेपाली पासपोर्ट, 12 चेकबुक और 2 बैंक पासबुक बरामद किए हैं।

दिल्ली से सटे यूपी के गांव में हिंदू परिवार पलायन को मजबूर, दीवार पर लिखा मकान बिकाऊ है

नई दिल्ली, ग्रेटर नोएडा (एजेंसी) देश की राजधानी दिल्ली से कुछ किलोमीटर दूरी पर ग्रेटर नोएडा के एक गांव में यूपी विधानसभा चुनाव 2022 से तकरीबन 5 महीने पहले चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र स्थित हल्दौनी गांव में एक हिंदू परिवार पलायन को मजबूर हो गया है। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि दीवार पर लिख दिया गया है- मकान बिकाऊ है।

कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश के कैराना में भी इसी तरह के कई मामले सामने आए थे, तब यह मामला खूब चर्चा में रहा था। अब ग्रेटर नोएडा के गांव में इस तरह का मामला बड़े स्तर पर तूल पकड़ सकता है। रोडरेज की घटना को लेकर दो युवकों के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। एक समुदाय के डर की वजह से हिंदू परिवार पलायन को मजबूर हुआ है। दोनों पक्षों के बीच पांच महीने पहले रोडरेज को लेकर मारपीट हुई थी। आरोप है कि एक समुदाय के लोग हिंदू परिवार को डरा धमका रहे हैं। पांच माह पहले गाड़ी टकराने को लेकर रोहित व अमन के बीच झगड़ा हुआ था।

दोनों युवक अलग-अलग समुदाय के हैं। घटना के बाद से दोनों पक्षों के बीच दुश्मनी चली आ रही है। इस बीच पलायन का मुद्दा इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ है। रोहित के परिवार ने घर की दीवार पर लिखवा दिया कि यह मकान बिकाऊ है। वहीं, मामले के सामने आने पर यूपी के गौतमबुद्धनगर जिले के कई लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर फोटो अपलोड कर पीड़ित परिवार की मदद की गुहार लगाई है। ईकोटेक तीन कोतवाली प्रभारी भुवनेश शर्मा ने बताया कि पांच महीने से दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा है। किसी पक्ष को यदि कोई दिक्कत है तो पुलिस से शिकायत करनी चाहिए।

दिल्ली में सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए राजघाट पर 'टैक्टिकल अर्बनिज्म' ट्रायल का उद्घाटन किया : कैलाश गहलोत

दिल्ली सरकार ने सड़क सुरक्षा पर काम करने के लिए सेव लाइफ फाउंडेशन के साथ किया समझौता

राजघाट चौराहे पर सड़क सुरक्षा के लिए, विशेष रूप से पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के लिए त्वरित सुरक्षा उपायों को लागू किया जाएगा : श्री कैलाश गहलोत

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलोत ने आज दिल्ली में सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए राजघाट पर टैक्टिकल अर्बनिज्म ट्रायल का उद्घाटन किया।

दिल्ली की सड़कों पर लोगों की जान बचाने के लिए दिल्ली सरकार ने सड़क सुरक्षा पर काम करने के लिए सेवलाइफ फाउंडेशन के साथ गठजोड़ किया है। ये परीक्षण, जिसमें दिल्ली यातायात पुलिस, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और स्वयं चैरिटेबल ट्रस्ट महत्वपूर्ण हितधारकों के रूप में शामिल हैं, 2 महीने की अवधि के लिए आयोजित किए जाएंगे। टैक्टिकल अर्बनिज्म (टीयू) परीक्षण अस्थायी, त्वरित और अपेक्षाकृत कम लागत वाले हस्तक्षेप हैं, जो सभी सड़क उपयोगकर्ताओं, विशेष रूप से पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों और अन्य गैर- मोटर चालित परिवहन उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने मे सहायक हैं। दिल्ली परिवहन विभाग के साथ जीरो फैटलिटी कॉरिडोर (जेडएफसी) परियोजना के तहत, सेवलाइफ फाउंडेशन इस सप्ताह से पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के सुरक्षा में सुधार के लिए अस्थायी अर्बन डिजाइन इंटरवेंशंस का परीक्षण करेगा।

परीक्षण में सड़क की जगह को पुनर्वितरित किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मोडल इक्विटी, रोड जियोमेट्स आदि में संशोधन हो सके। इसके तहत यातायात को चैनलाइज़ भी किया जायेगा , इस बात का भी ध्यान रखा जायेगा की वाहनों की गति तय सिमा में रहे साथ ही पैदल यात्री और साइकिल चालकों की सुरक्षा के लिए बुनियादी ढांचे में बदलाव किया जायेगा। दिल्ली परिवहन विभाग ने इससे पहले दिल्ली के 13 चौराहों पर हादसों को कम करने के लिए एमओयू साइन किया था। दो साल पहले, भलस्वा चौक पर भी इसी तरह का शहरीकरण परीक्षण किया गया था, जिसके सकारात्मक परिणाम मिले और दुर्घटना में होने वाली मौतों में कमी आई। इन परीक्षणों के माध्यम से, दिल्ली सरकार का लक्ष्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है । परीक्षणों के मूल्यांकन और उसके प्रभाव के विश्लेषण के बाद, सेवलाइफ फाउंडेशन स्थायी सुधार के लिए सक्षम विभाग को सिफारिशें प्रस्तावित करेगा। दिल्ली में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार, सेवलाइफ फाउंडेशन के अलावा WRI, BIGRS, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT)-दिल्ली, इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IIIT) जैसे संगठनों और अन्य विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के साथ भी मिल कर काम कर रही है। परीक्षणों का उद्घाटन करते हुए, माननीय परिवहन मंत्री, श्री कैलाश गहलोत ने कहा, दिल्ली की सड़कें सभी के लिए हैं। दिल्ली सरकार सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए दिल्ली की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमने 2018 में दिल्ली रोड सेफ्टी पॉलिसी लॉन्च की थी। इन अर्बन टैक्टिकल ट्रायल्स के ज़रिये हमारा लक्ष्य शहर भर में सुरक्षित सड़कों और जंक्शनों का एक व्यापक नेटवर्क विकसित करना है।

दिल्ली के परिवहन आयुक्त श्री आशीष कुंद्रा ने इस मौके पर कहा, इन परीक्षणों का उद्देश्य सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षा तत्वों को सम्मिलित करना है। 2016 से, राजघाट चौराहे और राजघाट बस डिपो में सामूहिक रूप से 47 दुर्घटनाएँ, 13 मौतें और 51 घायल हुए हैं। इन परीक्षणों का उद्देश्य समावेशी, सस्ते और त्वरित तरीके से चौराहे को सभी के लिए सुरक्षित बनाना है। इस मौके पर सेवलाइफ फाउंडेशन के सीईओ श्री पीयूष तिवारी ने कहा, हमारा जीरो-फेटलिटी कॉरिडोर मॉडल जीवन बचाने के लिए सबसे अच्छा समाधान निर्धारित करने के लिए व्यापक रूप से साक्ष्य का उपयोग करता है। राजघाट पर, हमने जंक्शन को फिर से डिजाइन करने के लिए 6-सूत्रीय हस्तक्षेप रणनीति का पालन किया है। सभी एलिमेंट्स या तो गति को कम करने या वाहनों के टक्कर को कम करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

इन हस्तक्षेपों के माध्यम से हमने पैदल चलने वालों की जोखिम दूरी को लगभग 50त्न और पैदल चलने वालों के जोखिम समय को 30त्न तक कम करने में कामयाबी हासिल की है। दिल्ली सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षित सड़क बनाने और सड़क के किनारे दुर्घटना में होने वाली मौतों को कम करने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। केजरीवाल सरकार फरिश्ते दिल्ली के जैसी योजनाएं चला रही है जिससे शहर में दुर्घटना पीड़ितों का समय पर इलाज सुनिश्चित हुआ है। योजना के तहत सडक़ दुर्घटना के शिकार लोगों को स्वर्णिम समय में अस्पताल पहुंचाने वाले गुड समेरिटन को 2000 रुपए नकद इनाम और प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

सरस आजीविका मेला 2021 में आज भी दिन भर लोगों की भीड़ लगी रही, लोगों ने जमकर की खरीदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

सरस आजीविका मेला 2021 में आज भी लोगों की दिन भर भीड़ लगी रही। लोगों ने इस दौरान जमकर खरीदारी की। लोगों ने आज हरियाणा के लड्डू और राजस्थानी सामानों की जमकर खरीदारी की। मेले में आई हुई हरियाणा की पहल एसएचजी की पूनम शर्मा ने बताया कि हमारे एसएचजी में कुल एक सौ बीस महिलाएं हैं।

पूनम शर्मा ने बताया कि हम सभी महिलाएं अलग अलग प्रकार के लड्डू बनाते हैं। उन्होंने बताया कि हमारा स्पेशल बाजरे का लड्डू है, अलसी, रागी, एलोवीरा, तील, मेथी, ड्राईफ्रूट लड्डू, कमरकस लड्डू जैसे पैंतीस प्रकार के लड्डू हैं। उन्होंने बताया कि हमारे यहां, पांच सौ से लेकर पंद्रह सौ रुपये तक के लड्डू उपलब्ध हैं। इसके साथ ही इसी में वो नमकीन भी बनाती हैं। उन्होंने बताया कि इन सारे लड्डूओं को बनाने में वो हनी, गुड़, अंजीर, खजूर, देशी खांड आदि का प्रयोग करती हैं।

वहीं, राजस्थान के बीकानेर से आई हुई आनंदराज एसएचजी ग्रुप की तीजां ने बताया कि हमारे समूह में कुल तेरह महिलाएं हैं, जो हमारे साथ मिलकर पापड़, मुगोड़ी, अचार, नमकीन, खाखरा, चना चटपटा, चना लहसन, मूंग मशाला आदि के विभिन्न प्रकार हैं। इसकी कीमत तीन सौ से लेकर छह सौ रुपये तक के सामान हैं। ज्ञात हो कि दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 40वें विश्व व्यापार मेले में एक बार फिर परंपरा, क्राफ्ट, कला एवं संस्कृति से सरोबार आजादी के अमृत महोत्सव थीम के साथ, 14 नवंबर से 27 नवंबर तक प्रसिद्ध सरस आजीविका मेला 2021 का आयोजन किया जा रहा है। प्रगति मैदान के हॉल नंबर7 (ए, बी, सी) में 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले इस मेले में देश भर के हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प के उत्कृष्ट सामानों की बिक्री एवं सह प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा आयोजित इस सरस आजीविका मेला 2021 में ग्रामीण भारत की शिल्पकलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। 14 नवंबर से 27 नवंबर तक चलने वाले इस उत्सव में 300 के करीब महिला शिल्प कलाकार, 137 स्टॉलों पर अपनी अपनी उत्कृष्ट प्रदर्शनी का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक खाद्य पदार्थ भी फूड स्टाल पर मौजूद होंगे, प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के रूप में अदरक, चाय, दाल, कॉफी, पापड़, एपल जैम और अचार आदि उपलब्ध हैं। वहीं, मेला में प्रवेश करने के लिए कोविड-19 के प्रोटोकॉल का भी पूरा ध्यान रखा गया है। इसके तहत मेला में प्रवेश करने वालों के लिए फेस मास्क बिल्कुल अनिवार्य है साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का भी पूरा ध्यान रखा गया है। इसके साथ ही जगह जगह सेनिटाइजेशन का भी इंतजाम किया गया है।

सरस आजीविका मेला के दौरान देश भर के 30 राज्यों के हजारों उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री होगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा यह एक मुहिम की शुरुआत की गई है जिससे कि हमारे देश के हस्तशिल्पियों और हस्तकारों को कोरोना के बाद एक बार फिर से अपनी रोजगार शुरु करने का मौका मिल सके। इसके साथ ही इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प व वोकल फॉर लोकल अभियान को बढ़ावा मिल सके।

यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी को प्रतीक चिन्ह देकर किया सम्मानित

ओपन सर्च ब्यूरो

यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी की ओर से प्रतीक चिन्ह ग्रहण करते हुए कॉर्पोरेट रिलेशन विभाग के प्रमुख गौरव पांडेय।

गाजियाबाद। नेशनल कंफेडरेशन ऑफ रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के आठवें राष्ट्रीय अधिवेशन में यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशांबी, ट्रांस हिंडन को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यशोदा हॉस्पिटल कौशांबी और आरडब्लूए के बीच में सौहार्दपूर्ण सामंजस्य एवं विभिन्न प्रकार की मेडिकल गतिविधियां, जैसे- निःशुल्क चिकित्सा शिविर, निःशुल्क हेल्थ टॉक, स्वास्थ्य जांच शिविर विभिन्न सोसायटियों में लगवाने और सुविधा उपलब्ध कराने हेतु अस्पताल को यह सम्मान दिया गया। हॉस्पिटल की ओर से कॉर्पोरेट रिलेशन विभाग के प्रमुख गौरव पांडेय एवं आरडब्लूए के वरिष्ठ प्रबंधक सुरेश वली ने यह सम्मान कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, मोहन नगर में मंगलवार को प्राप्त किया।

सावधान! गाजियाबाद में एक ऐसा गिरोह सक्रिय है जो चेहरे के सामने रूमाल हिलाते ही खाता कर देता है खाली

गाजियाबाद (एजेंसी) शहर में एक माह से एक ऐसा गिरोह सक्रिय है, जो सार्वजनिक स्थान पर लोगों से मिलता है। बातों में उलझाकर चिह्नित व्यक्ति के चेहरे के सामने रूमाल हिला देता है। इससे व्यक्ति बेसुध हो जाता है और इसी समय मोबाइल और पर्स से डेबिट कार्ड लेकर पिन नंबर भी पूछ लेता है।

हो सकता है कि आपको इन बातों पर यकीन न हो, लेकिन हाल में हुई तीन वारदात के पीड़ितों ने यही आपबीती सुनाई है। लिफ्ट देने के बहाने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के रूद्रपुर स्थित स्कूल के प्रधानाचार्य नवनीत सहाय बेदार को 31 अक्टूबर को हापुड़ मोड़ पर लिफ्ट का झांसा दिया। सरकारी टैक्सी होने की बात कह सत्यापन के नाम पर उनका डेबिट कार्ड ले लिया और चेहरे के पास लाकर रूमाल हिला दिया। बातों में उलझाकर पिन नंबर भी पूछ लिया। नवनीत को होश आता, इससे पहले ही लोहियानगर स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम से चार बार में 40 हजार रुपये निकाल लिए थे।

नूर शांतिनगर निवासी ई-रिक्शा चालक उमेश कुमार से सात नवंबर को पुराना बस अड्डा पर दो व्यक्ति मिले। विजयनगर के लिए रिक्शा बुक कर बैठे और उसे सिद्धार्थ विहार में एक खंडहर मकान तक ले गए। बातचीत के दौरान बदमाशों ने उमेश का मास्क उतरवाया और दूसरे ने रूमाल हिला दिया। बेसुध होते ही एक व्यक्ति ने उससे मोबाइल और दूसरे ने पैसे छीन लिए। होश आया तो ई-रिक्शा गायब था और वह रोड किनारे फुटपाथ पर पड़ा था। लखनऊ के गोसाईगंज में रसूलपुर निवासी मोहम्मद सैफ 14 नवंबर की रात कैब से सिटी साइड में उतरे थे।

वैशाली एक्सप्रेस से लखनऊ जाने को उन्हें गाजियाबाद जंक्शन के प्लेटफार्म-2 पर जाना था। कैब से उतरते ही वह डिवाइडर पर बैठ गए। इसी दौरान आए दो युवकों ने चेहरे के सामने रूमाल हिलाकर मोहम्मद सैफ को बेसुध कर दिया था। मोबाइल व एटीएम कार्ड लेकर भागे बदमाशों ने उनके खाते से 33 हजार रुपये भी निकाल लिए थे। सैफ ने लखनऊ जीआरपी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसे 19 नवंबर को गाजियाबाद जीआरपी थाना को ट्रांसफर किया गया और अब घटनास्थल स्पष्ट होने पर जीआरपी इसे नगर कोतवाली ट्रांसफर करेगी।

अंडर-19 जूनियर स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजित

ओपन सर्च ब्यूरो

कृष्णा इंस्टिट्यूट, मोहन नगर में गाजियाबाद की एडीएम रितु सुहाष व वरिष्ठ अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष एवं यशोदा हॉस्पिटल कौशांबी के चेयरमैन डॉ पी एन अरोड़ा के हाथों वितरित किया गया

गाजियाबाद। अंडर-19 जूनियर स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कृष्णा इंस्टिट्यूट, मोहन नगर में किया गया।

इस पुरस्कार वितरण समारोह में गाजियाबाद की एडीएम रितु सुहाष मुख्य अतिथि थीं। इस अवसर पर वरिष्ठ अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष एवं यशोदा हॉस्पिटल कौशांबी के चेयरमैन डॉ पी एन अरोड़ा ने प्रतियोगिता जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी एवं कहा कि खेल हमारे लिए शरीर की रीढ़ की हड्डी के समान ही हमारे जीवन में महत्वपूर्ण हैं।

खेलों के माध्यम से हम जीवन में बहुत ही आगे बढ़ सकते हैं एवं अपने देश का नाम रोशन कर सकते हैं। साथ ही डॉ अरोड़ा ने कहा कि खेल सभी के व्यस्त जीवन में विशेष रुप से विद्यार्थियों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहाँ तक कि पूरे दिन में से, कम से कम थोड़े से समय के लिए सभी को खेलों में सक्रिय रुप से भाग लेना चाहिए। खेल बहुत ही आवश्यक है, क्योंकि खेलों में नियमित रुप से शामिल होने वाले व्यक्ति में यह शारीरिक और मानसिक तंदरुस्ती लाता है।

हम सभी जानते हैं कि एक सूकून और आराम का जीवन जीने के लिए हम सभी को स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ शरीर की आवश्यकता होती है। साथ में वरिष्ठ अतिथि उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव अरुण कक्कड़, प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अंजुल अग्रवाल रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को बारी बारी से पुरस्कार दिये।

26 नवंबर तय करेगा किसान आंदोलन की दिशा !, राकेश टिकैत पर भी रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने के ऐलान के बावजूद एमएसपी पर कानून बनाने समेत 6 मांगों को लेकर किसान प्रदर्शनकारी दिल्ली-एनसीआर के बार्डर पर डटे हुए हैं।

इस बीच तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध प्रदर्शन यानी किसान आंदोलन के एक साल पूरा होने पर संयुक्त किसान मोर्चा आगामी 26 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर के चारों बार्डर (शाहजहांपुर, टीकरी, सिंघु और गाजीपुर) पर बड़ी सभाएं करेगा। प्रदर्शन के अगले चरण में 29 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने पर न 500 ट्रैक्टर से किसान संसद तक मार्च निकालेंगे।

वहीं, हैरानी की बात यह भी है कि फिलहाल दिल्ली-हरियाणा और दिल्ली-यूपी बार्डर पर वैसी भीड़ नजर नहीं आ रही है, जैसा संयुक्त किसान मोर्चा उम्मीद जता रहा है। हालांकि, अभी 2 दिन समय है, ऐसे में भीड़ बढ़ भी सकती है, लेकिन इसकी संभावना कम ही है। कहा यह भी जा रहा है कि तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को निरस्त करने के नरेन्द्र मोदी सरकार के ऐलान के बाद ज्यादातर किसान आक्रामकता छोड़ने की बात कर रहे हैं, लेकिन यह बात कोई नहीं कर रहा है।

अगर यह सच है तो 26 नवंबर को इसकी भी सच्चाई सामने आ जाएगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने पिछले दिनों दिल्ली-एनसीआर के चारों बार्डर पर किसान प्रदर्शनकारियों की भीड़ बढ़ाने का एलान किया था। इसका असर भी देखने को मिल रहा है। टीकरी, शाहजहांपुर और सिंघु बार्डर पर किसान प्रदर्शनकारियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। बढ़ती प्रदर्शनकारियों की संख्या के मद्देनजर शाहजहांपुर, टीकरी और सिंघु बार्डर पर उनके खाने-पीने और रहने का इंतजाम किया गया है। भीड़ बढ़ने पर कोई दिक्कत नहीं आए? इसकी भी तैयारी की गई है। इसके अलावा, संयुक्त किसान मोर्चा का कहना है कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान से दिल्ली के सभी मोर्चों पर भारी भीड़ जुटाई जाएगी। इस दौरानी यानी 26 नवंबर को किसानों की बड़ी सभाएं की जाएंगी। दिल्ली-उत्तर प्रदेश के गाजीपुर बार्डर पर किसान प्रदर्शनकारियों की अगुवाई करने वाले भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत वापस लौट चुके हैं। ऐसे में अगले 24-48 घंटे में गाजीपुर बार्डर पर किसान प्रदर्शकारियों की संख्या बढ़ेगी।

किसान प्रदर्शनकारियों की संख्या के लिहाज से दिल्ली-यूपी का गाजीपुर बार्डर लगातार फिसड्डी साबित होता रहा है। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत और भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत की मौजूदगी के बावजूद यहां पर किसानों की भीड़ नहीं जुट रहे हैं। स्थिति यह है कि टेंट खाली पड़े हैं और प्रदर्शनकारी नदारद हैं।

ऐसे में 26 नवंबर को यूपी गेट पर भारी भीड़ जुटाने की चुनौती राकेश टिकैत की होगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और इससे जुड़े क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग अधिनियम, 2021' में किसानों को सजा देने के प्रावधान हटाए जाए। बता दें कि केंद्र सरकार ने पहले ही कुछ किसान विरोधी प्रावधान तो हटा चुकी है, लेकिन सेक्शन 15 के जरिये फिर किसान को सजा की गुंजाइश बरकरार है। आगामी 26 नवंबर को किसान आंदोलन के एक साल पूरे होने पर किसान नेता अपनी जमीनी ताकत दिखाएंगे। आयोजन के तहत 26 नवंबर को पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान से दिल्ली के सभी मोर्चों पर भारी भीड़ जुटाई जाएगी।

बड़ी सभाएं की जाएंगी। गौरतलब है कि दिल्ली में संसद का शीतकालीन सत्र आगामी 29 नवंबर से शुरू हो रहा है। ऐसे में किसान संगठनों ने फैसला लिया है कि 29 नवंबर से संसद के इस सत्र के अंत तक 500 चुने हुए किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में हर दिन संसद जाएंगे। इसका मकसद केंद्र सरकार पर दबाव बढ़ाना है। साथ ही केंद्र सरकार को उन मांगों को मानने के लिए मजबूर करना है, जिसके लिए देश भर के किसान एक साल से संघर्ष कर रहे हैं।

तीनों केंद्रीय कृषि कानून वापस लेने के अलावा भी किसान संगठनों की 6 और मांगें हैं।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

युक्तिसगंत बनानी होगी एमएसपी व्यवस्था

केंद्र सरकार ने कृषि कानूनों को वापस ले लिया है पर किसान अभी भी एमएसपी को लेकर डटे हुए हैं। आजादी के 75 साल बाद भी एमएसपी पर खरीद कुछ फसलों तक सीमित है। वहीं एमएसपी व्यवस्था को युक्ति संगत बनाना आज भी आवश्यक है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों को मुख्यधारा में लाने के लिए एमएसपी व्यवस्था कारगर सिद्ध हो सकती है। अन्नदाता को आर्थिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लाख दावे किए जाते रहे हों पर वह दिन अभी दूर की कौड़ी है जब देश का अन्नदाता अपनी मेहनत से तैयार उपज का भाव स्वयं तय कर सके। कई दशकों से चली आ रही एमएसपी व्यवस्था के बावजूद अभी एमएसपी के नाम पर ले देकर किसान गेहूं, चावल, कपास, गन्ना, सरसो, सोयाबीन, मूंगफली और अब पिछले कुछ सालों की बात करें तो मूंग-उड़द की बात की जा सकती है। दुनिया आज मोटे अनाज को लेकर गंभीर हुई है और मोटे अनाज को बढ़ावा देने की बात की जा रही है, वहीं बाजरा आदि मोटे अनाज की खरीद कोसो दूर है। नेशनल सैंपल सर्वे की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2019 के दौरान देश में सिर्फ पांच फसलों की खरीद ही दस प्रतिशत से ज्यादा रही है। गेहूं, चावल, गन्ना और कपास की खरीद अधिक मात्रा में होती रही है। पिछले सालों में एमएसपी दरों में अच्छी खासा बढ़ोतरी हुई है तो दूसरी और कृषि लागत में भी काफी बढ़ोतरी हुई है।

इसलिए एमएसपी बढ़ने के बावजूद अधिक लाभ वाली बात नहीं है। यही कारण है कि नए कृषि कानूनों के चलते सबसे मुखर आवाज उभर कर आई है तो वह न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था को लेकर हुई है। सरकार का दावा है कि नए कानूनों के बावजूद एमएसपी पर खरीद व्यवस्था जारी है और जारी रहेगी। वहीं, किसानों की पैरवी करने वाले सभी संगठन एमएसपी को लेकर अधिक मुखर हैं। एमएसपी को लेकर देश में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हालांकि एमएसपी को लेकर लाख संदेहों के बावजूद देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद जारी है। यह सही है कि पिछले कुछ सालों से फसल की बुवाई के समय या उसके आसपास ही फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाने लगी है। इससे पहले देरी से एमएसपी की घोषणा को लेकर विवाद होता रहता था और यह कहा जाता था कि समय पर एमएसपी की घोषणा नहीं होने से किसान अच्छे मूल्य वाली फसलों की बुवाई से वंचित रह जाता था। अब हालात में सुधार आया है। पर सवाल अभी भी वहीं का वहीं है। अभी भी एमएसपी को लेकर वह जागरुकता नहीं है जो उसमें होनी चाहिए। इसका एक बड़ा कारण देश में खेती के लिए चली आ रही संस्थागत ऋण व्यवस्था है। देश की संस्थागत वित्तदायी संस्थाएं आजादी के सात दशक बाद भी सभी किसानों की खेती के लिए आवश्यक वित्त व्यवस्था करने में विफल रही हैं। यही कारण है कि आज भी बड़ी संख्या में काश्तकारों के रुपयों-पैसों की जरूरत पूरी करने के लिए गैर संस्थागत ऋण दाताओं खासतौर से साहूकारों पर निर्भरता बनी हुई है। लाख दावे किए जाते हों पर सहकारी ऋण व्यवस्था में झोल आज भी बना हुआ है। वैसे सहकारी बैंक संसाधनों की कमी के चलते सभी किसानों की ऋण जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है।

इस कारण किसानों की निर्भरता अन्य स्रोतों पर बनी हुई है। किसानों से ही खरीद का दावा करने के बावजूद किसानों की मेहनत का बहुत बड़ा हिस्सा इन साहूकारों या गैर संस्थागत ऋणदाताओं की झोली में चला जाता है और किसान अपने आपको ठगा महसूस करता है। सरकार द्वारा खरीफ और रबी के लिए फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर घोषणा की जाती है। गेहूं आदि खाद्यान्नों की खरीद की जिम्मेदारी जहां भारतीय खाद्य निगम के पास है तो दलहनी और तिलहनी फसलों की खरीद की जिम्मेदारी नेफैड ने संभाल रखी है। कपास की खरीद कॉटन कारपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा तो गन्ने की खरीद गन्ना मिलों द्वारा की जा रही है। कुछ प्रदेशों में राज्य की संस्थाओं द्वारा भी वाणिज्यिक दरों के साथ ही बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत खरीद की जाती है पर यह नाममात्र की ही हो पाती है। भारतीय खाद्य निगम और नेफैड, बदली परिस्थितियों में दोनों ही संस्थाएं खरी नहीं उतरी हैं और यही कारण है कि नेफैड जहां लड़खड़ाती हुई जैसे-तैसे चल रही हैं वहीं भारतीय खाद्य निगम के पुनर्गठन पर भी विचार की चर्चा यदाकदा चलती रही है। ले देकर देश में गेहूं और चावल की ही एमएसपी पर अधिक व समय पर खरीद होती है। इसकी खरीद के पीछे भी एक दूसरा बड़ा कारण सरकार की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बाध्यता भी है।

सरकार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूं और चावल आदि उपलब्ध कराने होते हैं। इसके लिए सरकार के पास बड़ा सहारा एमएसपी पर खरीद व्यवस्था ही है। कोरोना महामारी के दौर में खाद्यान्नों की उपलब्धता व्यवस्था पूरी तरह से खरी उतरी है। सरकारी गोदामों में गेहूं-चावल के भंडार के चलते केन्द्र व राज्य सरकारों ने जरूरतमंद लोगों को मुफ्त राशन सामग्री उपलब्ध कराने में कोई कोताही नहीं बरती। परिणाम सामने है कि देश में कोरोना लॉकडाउन व उसके अलावा भी राशन सामग्री उपलब्ध कराने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। पूरी निष्पक्षता के साथ कहा जा सकता है कि इसका श्रेय अन्नदाता की मेहनत और सरकार की एमएसपी व्यवस्था को ही जाता है। आज भी देश की एमएसपी खरीद व्यवस्था गेहूं, धान, कपास, गन्ना, सरसों आदि तक सीमित है। जबकि 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष मनाने की तैयारियां जोरों से चल रही है। मोटे अनाज का महत्व समझा जाने लगा है।

मीथेन उत्सर्जन को एलपीजी पर टैक्स बढ़े

भरत झुनझुनवाला

सभी जीवित पदार्थों के जीवन में कार्बन तथा हाईड्रोजन तत्व रहते हैं और उनकी मृत्यु के बाद ये आर्गेनिक पदार्थ सड़ने लगते हैं। यदि आसपास ऑक्सीजन उपलब्ध हुई तो शरीर का कार्बन, कार्बन डाईआक्साइड (सीओ-2) बनकर उत्सर्जित होता है और पदार्थ में हाईड्रोजन, पानी (एच2ओ) बनकर समाप्त हो जाता है। लेकिन यदि सड़ते समय आसपास ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं हुई तो यही कार्बन और हाईड्रोजन आपस में मिलकर मीथेन गैस (सीएच4) बनकर उत्सर्जित होती है।

कार्बन डाईआक्साइड की तुलना में मीथेन गैस से धरती का तापमान अधिक बढ़ता है। धरती से जो गर्मी की किरणें बाहर निकलती हैं, यदि वे सीधे अंतरिक्ष में पहुंच सकें तो वे धरती के वायुमंडल से निकल जाती हैं और धरती का तापमान नहीं बढ़ता है। इसके विपरीत यदि वायुमंडल में ये किरणें रुक जाएं तो वायुमंडल गर्म हो जाता है और तदानुसार धरती का तापमान भी बढ़ता है। जब ये किरणें वायुमंडल में जाती हैं तो वायु में उपलब्ध अणुओं के बीच ये हलचल पैदा करती हैं। जैसे कार्बन डाईआक्साइड के कार्बन और ऑक्सीजन परमाणुओं के बीच में हलचल पैदा होती है। इससे उस अणु का तापमान बढ़ जाता है और वह गर्मी हमारे वायुमंडल में रुक जाती है और धरती का तापमान बढ़ाने लगती है।

मीथेन के परमाणुओं में हलचल अधिक होती है, इसलिए कार्बन डाईआक्साइड की तुलना में मीथेन गैस से धरती का तापमान 28 से 80 गुणा अधिक बढ़ता है। इसलिए हाल में सम्पन्न हुए कॉप 26 सम्मेलन में लगभग 100 देशों के बीच सहमति बनी है कि वे मीथेन के उत्सर्जन को कम करेंगे। धान के खेतों से मीथेन भारी मात्रा में उत्सर्जित होती है। जब खेतों में लबालब पानी लंबे समय तक भरा रहता है तो भूमि की सतह पर पत्तियां और भूमि के अंदर के कीड़े सड़ने लगते हैं और सड़कर पहले पानी में उपलब्ध ऑक्सीजन को सोख लेते हैं। उसके बाद उनकी सड़न से मीथेन बनने लगती है। पशुओं के पाचन क्रिया में भी उनके पेट से मीथेन गैस उत्सर्जित होती है। मांसाहारी भोजन के उत्पादन में मीथेन गैस जादा उत्पन्न होती है क्योंकि उसमें पशुओं को मारकर ही मांस पैदा किया जाता है। पशुओं के मल-मूत्र और गोबर के सड़ने से भी मीथेन गैस बनती है। बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं के तालाबों में जो पीछे से पत्तियां और मृत पशुओं के शरीर बह कर आते हैं, वे भी तालाब की तलहटी में स्थिर होकर सड़ने लगते हैं।

तलहटी में उपस्थित ऑक्सीजन शीघ्र समाप्त हो जाती है और ये मीथेन उत्सर्जन करने लगते हैं। नेशनल इन्वायरनमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट नागपुर ने पाया है कि टिहरी बांध से मीथेन उत्सर्जित हो रही है। मीथेन के इस उत्सर्जन को रोकते हुए आर्थिक विकास को बढ़ाना संभव है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने कहा है कि मीथेन गैस के उत्सर्जन को कम करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ाना संभव है।

जैसे धान के खेत में यदि पानी लगातार न भरा जाए और कुछ दिन पानी भरने के बाद उसे 2-4 दिन के लिए निकाल दिया जाए और पुनः पानी भरा जाए तो नए पानी में ऑक्सीजन उपलब्ध हो जाती है और मीथेन का उत्सर्जन समाप्त हो जाता है। धान की उपज भी कम नहीं होती है, अतः रुक-रुक कर पानी भरने से पानी की बचत और मीथेन उत्सर्जन की कमी दोनों हो सकती है। पशुओं के संबंध में पाया गया कि गाय की तुलना में बैल अधिक मीथेन उत्सर्जित करते हैं। अध्ययन किया जाए तो हम निश्चित रूप से पाएंगे कि गाय और भैंस की कुछ प्रजातियां मीथेन ज्यादा उत्सर्जित करती हैं और कुछ कम। इसलिए यदि हम कम मीथेन और अधिक दूध देने वाली प्रजातियों की गाय और भैंस को बढ़ाएं तो मीथेन उत्सर्जन कम कर सकते हैं। यदि हम शाकाहारी भोजन अपनाएं तो मीथेन उत्सर्जन सहज ही कम हो जाएगा क्योंकि पशुओं के मांस के उत्पादन के समय पशुओं द्वारा पाचन से अथवा उनके गोबर के सड़ने से जो मीथेन उत्सर्जित होती है, वह समाप्त हो जाएगी। यदि हम गोबर से गैस बनाएं तो उत्सर्जित मीथेन से चूल्हा और बत्ती जला सकते हैं। तब वह मीथेन कार्बन डाईआक्साइड के रूप में उत्सर्जित होगी और हमारे पर्यावरण को कम हानि पहुंचाएगी। जल विद्युत के स्थान पर यदि हम सोलर ऊर्जा को बढ़ावा दें जैसा कि सरकार कर भी रही है तो जल विद्युत परियोजनाओं के तालाबों से उत्सर्जित होने वाली मीथेन पर रोक लगाई जा सकती है। इन आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद सुझावों को लागू करने के लिए सरकार को अपनी टैक्स पालिसी में सुधार करना होगा। धान के खेतों से उत्सर्जन कम करने के लिए पानी का मूल्य सिंचित क्षेत्र के स्थान पर आयतन के हिसाब से वसूल करना होगा। तब किसान के लिए लाभप्रद हो जाएगा कि पानी को रोक-रोक कर सिंचाई करे। पशुओं की प्रजातियों पर रिसर्च के लिए सरकार को निवेश करना होगा। शाकाहारी भोजन को प्रोत्साहन देने के लिए मांस के उत्पादन में उपयोग किए गए कच्चे माल पर भारी टैक्स लगाएं तो मांस महंगा होगा, तो लोग शाकाहारी भोजन की ओर बढ़ेंगे। एलपीजी का दाम बढ़ाएं तो किसान के लिए गोबर गैस को बनाना लाभप्रद हो जाएगा।

पूर्व में एलपीजी के उपलब्ध न होने से किसान गोबर गैस बनाते थे। लेकिन सस्ती एलपीजी उपलब्ध होने से अब गोबर गैस का उत्पादन शून्यप्राय हो गया है। जल विद्युत पर भी इसी प्रकार मीथेन टैक्स लगाना चाहिए। इन सब टैक्स सुधारों से निश्चित रूप से देश के आम आदमी पर भार पड़ेगा, लेकिन यदि वसूल किए गए टैक्स को सरकारी खपत के लिए उपयोग करने के स्थान पर जनता को नगद वितरण कर दिया जाए तो यह भारी नहीं पड़ेगा। जैसे मान लीजिए देश में 40 करोड़ लोग हैं जो चावल खाते हैं। यदि हम आयतन के हिसाब से पानी बेचें तो इन पर मान लीजिए 25 रुपया प्रति वर्ष का भार पड़ता है और सरकार को एक हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिलता है।

यदि इस एक हजार करोड़ रुपए को देश के 130 करोड़ नागरिकों में 7 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से वितरित कर दिया जाए तो समग्र जनता पर तनिक भी भार नहीं पड़ेगा। अंतर सिर्फ यह होगा कि जो जनता चावल खाती है, उसे हानि होगी। उसे 25 रुपए का टैक्स देना होगा, जबकि मिलेंगे 7 रुपए। जो जनता चावल नहीं खाती है उसे लाभ होगा, उसे अतिरिक्त टैक्स नहीं देना होगा और मुफ्त में 7 रुपए मिलेंगे। इस प्रकार हम बिना आर्थिक विकास की हानि के मीथेन उत्सर्जन कम कर सकते हैं। सरकार ने कॉप 26 में मीथेन समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किया है, फिर भी उपरोक्त नीतियों को तो लागू करना ही चाहिए।

वायुसेना को बेमिसाल ताकत देगी एस-400

योगेश कुमार गोयल

चीन द्वारा लगाए जा रहे अड़ंगे और प्रतिबंधित करने की अमेरिकी धमकियों के बावजूद आखिरकार रूस से भारत को सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणाली की सप्लाई शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच करीब तीन वर्ष पहले हुई शिखर बैठक के दौरान वायुसेना को ताकत प्रदान करने के लिए करीब 5.43 अरब डॉलर में एस-400 एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल रक्षा प्रणाली की पांच इकाइयां खरीदने का करार हुआ था और इस एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल रक्षा प्रणाली की दो यूनिट 2021 के अंत तक भारत को मिलनी तय हुई थी।

इस रक्षा सौदे को देश के रक्षा क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत माना गया था। हालांकि चीन नहीं चाहता था कि रूस भारत को एस-400 सहित अन्य रक्षा सौदों की शीघ्र आपूर्ति करे लेकिन यह सरकार के गंभीर प्रयासों का ही असर है कि एस-400 मिसाइल प्रणाली की सप्लाई समय से होनी शुरू हो गई है। मल्टीफंक्शन रडार से लैस दुश्मन की बर्बादी का ब्रह्मास्त्र मानी जाने वाली एस-400 दुनियाभर में सर्वाधिक उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियों में से एक है, जो रूसी सेना में 2007 में सम्मिलित हुई थी। चीन, पाकिस्तान तथा अन्य दुश्मन पड़ोसी देशों से निपटने के लिए भारत को इस रक्षा प्रणाली की सख्त जरूरत भी है। भारत हथियार और रक्षा उपकरण सबसे ज्यादा रूस से ही खरीदता रहा है। करीब 58 फीसदी रक्षा सौदे भारत रूस के साथ ही करता है। हथियारों के उत्पादन की भारत की 'मेक इन इंडिया' मुहिम में भी रूस भारत का बहुत बड़ा मददगार साबित हो रहा है। मेक इन इंडिया सैन्य प्रोजेक्ट के तहत रूस के पास 12 अरब डॉलर की परियोजनाएं हैं। इसके अलावा सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक करीब 25 अरब डॉलर के हथियारों की खरीद और होने के आसार हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच करीब तीन वर्ष पहले हुई शिखर बैठक के दौरान वायुसेना को ताकत प्रदान करने के लिए करीब 5.43 अरब डॉलर में एस-400 एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल रक्षा प्रणाली की पांच इकाइयां खरीदने का करार हुआ था और इस एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल रक्षा प्रणाली की दो यूनिट 2021 के अंत तक भारत को मिलनी तय हुई थी। इस रक्षा सौदे को देश के रक्षा क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत माना गया था।

भारत-रूस के बीच हथियारों के संयुक्त उत्पादन तथा तकनीक के हस्तांतरण में ब्रह्मोस मिसाइल सबसे महत्वपूर्ण है। रूस से 18 सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के लिए पांच हजार करोड़ रुपये तथा 200 कामोव-226टी यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों के लिए 3600 करोड़ रुपये का सौदा है, जिनका एचएएल में रूस के सहयोग से उत्पादन हो रहा है। अमेठी में 7.5 लाख एके-203 असॉल्ट राइफलों के निर्माण के लिए भी रूस से 12 हजार करोड़ का करार हुआ है। भारतीय नौसेना भी रूसी सहयोग से निर्मित छह युद्धपोतों आईएनएस तलवार, त्रिशूल, ताबर, तेग, तरकश और त्रिकांड का संचालन कर रही है। इनके अलावा भी भारत में रूस के सहयोग से कई और प्रोजेक्ट चल रहे हैं। जहां तक एस-400 मिसाइल प्रणाली की विशेषताओं की बात है तो यह ऐसी प्रणाली है, जिसके रडार में आने के बाद दुश्मन का बच पाना असंभव हो जाता है। इसके हमले के सामने भागना तो दूर, संभलना भी मुश्किल होता है। कुछ रक्षा विशेषज्ञ इसे जमीन पर तैनात ऐसी आर्मी भी कहते हैं, जो पलक झपकते ही सैकड़ों फीट ऊपर आसमान में ही दुश्मनों की कब्र बना सकती है। कहा जा रहा है कि भारतीय वायुसेना में एस-400 के शामिल होने के बाद भारत जमीन की लड़ाई भी आसमान से ही लड़ने में सक्षम हो जाएगा। यह एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तीन तरह के अलग-अलग मिसाइल दाग सकता है और इसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी आसानी से पहुंचाया जा सकता है। यही नहीं, नौसेना के मोबाइल प्लेटफॉर्म से भी इसे दागा जा सकता है। एस-400 में मिसाइल दागने की क्षमता पहले से ढ़ाई गुना ज्यादा है। यह कम दूरी से लेकर लंबी दूरी तक मंडरा रहे किसी भी एरियल टारगेट को पलक झपकते ही हवा में ही नष्ट कर सकती है। यह मिसाइल प्रणाली पहले अपने टारगेट को स्पॉट कर उसे पहचानती है, उसके बाद मिसाइल सिस्टम उसे मॉनीटर करना शुरू कर देता है और उसकी लोकेशन ट्रैक करता है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इस मिसाइल प्रणाली को अगर आसमान में फुटबॉल के आकार की भी कोई चीज मंडराती हुई दिखाई दे तो यह उसे भी डिटेक्ट कर नष्ट कर सकती है। एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की विशेषता इसी से समझ सकते हैं कि अमेरिका के एफ-35 जैसे सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट भी इसके हमले से बच नहीं सकते। चीन रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने वाला पहला देश था। यह प्रणाली जमीन से मिसाइल दागकर हवा में ही दुश्मन की ओर से आ रही मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम है। यह एक साथ 36 लक्ष्यों और दो लॉन्चरों से आने वाली मिसाइलों पर निशाना साध सकती है और 17 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से 30 किलोमीटर की ऊंचाई तक अपने लक्ष्य पर हमला कर सकती है। इसे मात्र पांच मिनट में ही युद्ध के लिए तैयार किया जा सकता है।

600 किलोमीटर की दूरी तक निगरानी करने की क्षमता से लैस एस-400 की मदद से भारत के लिए पाकिस्तान के चप्पे-चप्पे पर नजर रखना भी संभव हो सकेगा। यह किसी भी प्रकार के विमान, ड्रोन, बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइल तथा जमीनी ठिकानों को 400 किलोमीटर की दूरी तक ध्वस्त करने में सक्षम है। इसके जरिये भारतीय वायुसेना देश के लिए खतरा बनने वाली मिसाइलों की पहचान कर उन्हें हवा में ही नष्ट कर सकेगी। भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बन रहे धूर्त पड़ोसी देश चीन ने रूस से 2014 में ही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीद ली थी। यही कारण है कि 3488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा के मद्देनजर हमारे लिए भी यह रक्षा प्रणाली हासिल करना और अपनी रक्षा प्रणाली को मजबूत करते हुए वायुसेना की ताकत बढ़ाना बेहद जरूरी हो गया है।

कोरोना ने यूरोप में नये रूप में पाँव पसार लिया, हमें बेहद सतर्क रहना होगा

ललित गर्ग

पूरी दुनिया कोरोना महामारी से पिछले काफी लंबे समय से जूझती रही है। समूची दुनिया ने चुस्ती और सावधानी बरतते हुए इस महामारी से मुक्ति दिलाने में सफलता भी हासिल की है, लेकिन अभी कोरोना महामारी का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। रह-रह कर यह महामारी विश्व के कई देशों में उभर रही है। कोरोना महामारी से निजात को लेकर अभी भी बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं।

वैश्विक स्तर पर सबसे चिंताजनक स्थिति यूरोपीय देशों की है। यूरोप में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रसार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भी चिंता जता चुका है। ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि टीकों की पर्याप्त आपूर्ति के बावजूद यूरोप महामारी का केंद्र बना हुआ है। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सतर्कता एवं सावधानी से हम इस बड़े खतरे को नियंत्रित करने एवं सौ करोड़ से अधिक टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करके निश्चिंत बने हैं, लेकिन इसके संभावित खतरे से पूरी तरह निश्चिंत हो जाना, हमारी भूल होगी। हमें अभी भी पूरी सावधानी एवं सतर्कता बरतने की अपेक्षा है। यूरोप में नये रूप में कोरोना महामारी के पांव पसारने से पूरी दुनिया चिन्तित है, ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि टीकों की पर्याप्त आपूर्ति के बावजूद यूरोप महामारी का केंद्र बना हुआ है। बहुत सारे टीकों का उपलब्ध होना ही नहीं, बल्कि वहां टीकों का उपयोग समान होना भी जरूरी है। इसलिए कोरोना मामलों की संख्या फिर से करीब-करीब रेकार्ड स्तर तक बढ़ने लगी है। करीब तिरपन देशों में कोरोना संक्रमण की वजह से अस्पताल में भर्ती होने की दर अगर एक हफ्ते की तुलना में दोगुनी से अधिक हुई है तो आशंका यही है कि यह महामारी की नई लहर का संकेत है।

यदि ऐसा ही चला तो इस क्षेत्र में अगले साल फरवरी 2022 तक पांच लाख लोगों को इस महामारी के कारण जान गंवानी पड़ सकती है। भारत के कई राज्यों में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रसार को देखते हुए कोविड प्रोटोकॉल को अभी जारी रखने का फैसला लिया गया है। केंद्र सरकार ने कोरोना रोकथाम उपायों को 30 नवंबर तक बढ़ा दिया है। गृह सचिव के अनुसार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित रूप से हर जिले के अस्पताल और आईसीयू में भर्ती मरीजों की संख्या की बारीकी से निगरानी करने की सलाह दी जा रही है।

टीकाकरण का अभियान जारी रखते हुए अन्य हिदायतों का भी जिम्मेदारी से पालन करने की जरूरत है। जैसा कि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने एवं स्वच्छंद जीवन जीने के लिये बेताब रहे हैं। भले ही उनके सब्र का प्याला भर चुका था, लेकिन कोरोना महामारी जैसे महासंकट को परास्त करने के लिये सब्र ही चाहिए। यह सत्य है कि आज की आबादी भगवान श्रीराम की तरह 14 वर्षों का वनवास एवं भगवान महावीर की तरह 12 वर्षों की कठोर तपस्या का इंतजार नहीं कर सकती। लेकिन जीवन रक्षा के लिये ऐसा करना पड़ता है। कोरोना महामारी जैसे महासंकट से निताज दिलाने के लिये कोई फरिश्ता नहीं, बल्कि जन-जन को ही फरिश्ता बनने की अपेक्षा थी और है। भले ही नरेन्द्र मोदी जैसे सशक्त शासकों ने अपनी प्रभावी भूमिका अदा कर लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन की रक्षा की है।

130 करोड़ से अधिक आबादी वाले राष्ट्र में हर व्यक्ति को तत्परता से निःशुल्क टीके उपलब्ध कराना साहस एवं सूझबूझ का काम है। देश, काल एवं स्थिति के अनुरूप उन्होंने विरल शासक का किरदार निभाते हुए एक अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रचा है। लेकिन इससे जनता की जिम्मेदारी कम नहीं हो जाती, अभी भी खतरा बना हुआ है, इसलिये सावधानी, संयम एवं स्व-अनुशासन जरूरी है। यूरोपीय देशों में कोरोना की नयी उभरती स्थिति हमें अधिक सावधानी बरतने को प्रेरित कर रही है। समृद्ध एवं शक्तिशाली यूरोप में टीकाकरण की रफ्तार अलग-अलग एवं असंतुलित रही है। अभी तक औसतन सैंतालीस फीसद लोगों का टीकाकरण पूरा हो पाया है। महज आठ देश ऐसे हैं, जहां पर सत्तर फीसद आबादी टीके की सभी खुराक ले चुकी है। इस दौरान वे दृश्य लोगों ने टेलीविजन पर खूब देखे हैं जिनमें कई यूरोपीय देशों में कोरोना पाबंदियों को सरकारों ने या तो न्यूनतम कर दिया, या फिर ऐसी सख्ती के खिलाफ वहां जनता विरोध में सड़कों पर उतरी।

इस स्थिति को वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के कई समूहों के अलावा डब्लूएचओ भी गंभीर मानता रहा है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि टीकों की उपलब्धता के बावजूद यूरोप में संक्रमण के मामले अगर बढ़ रहे हैं तो यह केवल यूरोप के लिये ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए खतरे की एक और घंटी से कम नहीं है। इसे भी पढ़ें: कोरोना वायरस संबंधी नए नियमों के खिलाफ नीदरलैंड में जोरदार प्रदर्शन और हिंसा साफ है कि कोरोना संक्रमण के खिलाफ तनिक भी लापरवाही या गैरजिम्मेदाराना व्यवहार होगा तो इस महामारी के खतरे से आसानी से मुक्ति संभव नहीं है। भारत उन देशों में शामिल है जो पहले दिन से यह कहता रहा है कि इस महामारी के खिलाफ न सिर्फ वैश्विक पहल की स्पष्ट रूपरेखा तय होनी चाहिए बल्कि इस पर साझा अमल भी होना चाहिए। भारत ने इसमें सार्थक पहल की एवं सकारात्मक भूमिका भी निभाई है। असल में कोरोना एक संक्रमण वाला महारोग है, इसलिये एक देश में उसके फैलने का असर पूरी दुनिया में फैल जाने के खतरे की घंटी है। इसलिये मौजूदा हालात में यूरोप में अब ऐसी स्थिति बन रही है कि वहां टीकाकरण की अनिवार्यता पर बड़े फैसले लिए जाने की अपेक्षा है। इसकी शुरुआत आस्ट्रिया ने कर भी दी है।

अलबत्ता यूरोपीय संघ में टीकाकरण अनिवार्य करने वाला आस्ट्रिया इकलौता देश जरूर है, लेकिन बाकी देशों की सरकारें भी सख्त पाबंदियां लगा रही हैं। यूरोपीय देशों का नया उभर रहा संकट भारत के लिये एक चेतावनी एवं बड़ा सबक है। क्योंकि भारत एक बड़ी आबादी वाला देश है, यहां पर स्वास्थ्य सुविधाओं का आनुपातिक अभाव है, शिक्षा का अभाव है। टीकाकरण और जरूरी सावधानी के जरिए ही इस महामारी को कारगर तरीके से रोका जा सकता है।

टीका लगवाने के साथ मास्क पहनने और आने-जाने के लिए कोविड पास का इस्तेमाल करने से स्थिति से निपटने में मदद मिल सकती है। जब तक पूरी तरह कोरोना पर नियंत्रण न हो जाये, भीड़-भाड़ से बचने की जरूरत है, जहां तक हो सके घरों पर ही रहकर काम किये जाये, शादी-विवाह, धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक जलसों में भीड़ को नियंत्रित रखा जाये। स्कूलों, सिनेमाघरों, स्विमिंग पूल आदि पर पूरी तरह अनुशासन एवं प्रोटोकॉल कायम रहे। जहां अपेक्षित हो आंशिक लॉकडाउन लगाया जाये। सामाजिक दूरी का पालन किया जाये। यह समझ एवं सोच यूरोप सहित दुनिया के लिए तो जरूरी है ही, विश्व समाज को भी समझ की इस दरकार पर पक्के तौर पर खरा उतरना होगा।

जीवन-रक्षा के लिये लगाये जा रहे प्रतिबंधों को लेकर विरोध की मानसिकता घातक है। ऑस्ट्रिया, क्रोएशिया और इटली में भी नये प्रतिबंधों के खिलाफ हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर निकल आए। ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में सरकार की ओर से नये राष्ट्रीय लॉकडाउन की घोषणा और फरवरी 2022 तक टीका लगाना अनिवार्य किये जाने के बाद हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब में सार्वजनिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए वैक्सीन अनिवार्य करने के खिलाफ हजारों लोगों ने मार्च किया। इटली में भी ग्रीन पास प्रमाण पत्र अनिवार्य किये जाने के विरोध में हजारों लोग प्रदर्शन में शामिल हुए। दुनिया में कोई भी कोरोना से मरने को विवश न हो, इसके लिये संतुलित एवं स्व-शासित व्यवहार एवं जीवनशैली ही सबको जीवन-रोशनी दे सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

पूरे रामपुर प्रखंड में डिग्री कॉलेज नहीं रहने से रोज 18-20 किमी दूर शिक्षा के लिए जाते हैं विद्यार्थी, अभिभावकों में नाराजगी

रामपुर (एजेंसी) । स्थानीय प्रखंड में एक भी डिग्री कालेज नहीं रहने के कारण छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रखंड के छात्रों को प्रखंड मुख्यालय से 18 से 20 किलोमीटर की दूरी पर भभुआ उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाना पड़ता है। साधन संपन्न परिवार अपने बच्चों को बनारस व पटना सहित अन्य जगहों पर भेज कर उच्च शिक्षा दिला देते हैं। लेकिन गरीब परिवार के छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गरीब परिवारों का कहना है कि भभुआ में प्रतिदिन बच्चों को भेजने में सौ रुपये से अधिक खर्च आएगे। जबकि उन लोगों की आमदनी काफी कम है। जिस कारण वे लोग अपने बच्चों को इंटर की शिक्षा दिलाने के बाद पढ़ाई छोड़वाने के लिए विवश होते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से भी छात्राओं को अकेले भेजना संभव नहीं है। यदि

प्रखंड में डिग्री कालेज की स्थापना सरकारी स्तर पर हो जाती तो प्रखंड के गरीब परिवार के बच्चे भी उच्च शिक्षा ग्रहण करते। प्रखंड में कई इंटर स्तरीय शिक्षण संस्थान है। जहां से प्रत्येक वर्ष चार सौ से अधिक बच्चे इंटर पास करते हैं। इसमें छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक होती है। इनमें से लगभग आधे बच्चे भभुआ, बनारस या पटना सहित अन्य जगहों पर जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करते हैं। लेकिन आधे से अधिक बच्चे उच्च शिक्षा पाने से वंचित रह जाते हैं। अभिभावक शशिकांत दुबे, वरुण कुमार, मनोज कुमार गुप्ता, सुनील कुमार दुबे आदि का कहना है कि प्रखंड में अगर एक भी डिग्री कालेज होता तो हमलोग अपने बच्चों का यहां नामांकन कराकर उच्च शिक्षा दिलाते। प्रखंड में एक लाख से अधिक की आबादी रहने के बावजूद भी एक भी डिग्री कालेज का नहीं होना प्रखंड की शिक्षा व्यवस्था की पोल स्वयं खोल देता है। जिले का रामपुर प्रखंड भभुआ विधानसभा क्षेत्र में पड़ता है। यहां डिग्री कालेज की स्थापना कराने के लिए जनप्रतिनिधि अब तक आश्वासन देते आए हैं, लेकिन अब तक कोई पहल नहीं हो सकी है। चाहे वह विधायक हों या सांसद या फिर विधान पार्षद। सभी ने यहां के छात्र-छात्राओं व उनके अभिभावकों से छलावा किया है। इससे अब जनप्रतिनिधियों के बात पर भी यहां के लोगों को भरोसा नहीं है। प्रिया कुमारी ने बताया कि इंटर की परीक्षा पास करने के बाद भभुआ में नामांकन कराना चाहती थी। किराए के मकान या लाज में रहकर पढ़ाई करनी पड़ती। इसमें खर्च भी आएगा, लेकिन अभिभावक इसके लिए तैयार नहीं हैं। अगर प्रखंड में डिग्री कालेज रहता तो उन्हें घर से बाहर जाकर पढ़ाई करने के लिए खर्च नहीं करना पड़ता। छात्रा निशा कुमारी का कहना है कि अभिभावक इतने अमीर नहीं है कि वह बाहर भेजकर पढ़ाई करा सकें। अगर प्रखंड में डिग्री कालेज की स्थापना सरकार करे तो नामांकन करा कर पढ़ाई करते। छात्र अभिषेक कुमार ने बताया कि प्रखंड के इंटर स्तरीय विद्यालय से उन्होंने इंटर की परीक्षा पास की है। बाहर के कालेज में नामांकन कराया है। लेकिन रोज खर्च कर कालेज जाना संभव नहीं है।

एक नज़र

लालू के भकचोन्हर के साथ पटना में युवाओं की सेल्फी, बेटी रोहिणी ने कहा, इसे कहते हैं मास लीडर

पटना (एजेंसी) । राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के भकचोन्हर शब्द को लेकर खूब सियासत हुई थी। कांग्रेस के भक्त चरण दास के संबंध में उन्होंने ऐसा कह दिया था। तब इस शब्द की पूरी व्याख्या की गई थी। राजद की ओर से भी सफाई दी गई थी। अब पटना के एक रेस्टोरेंट में भकचोन्हर का बोर्ड लगा दिया गया है। रेस्टोरेंट पहुंचने वाले लोग यहां जमकर सेल्फी ले रहे हैं। इसकी तस्वीर मुकेश सिंह नामक के एक व्यक्ति ने ट्वटिर पर पोस्ट की है। इसे राष्ट्रीय जनता दल ने रिट्वीट किया है। मुकेश सिंह ने जो तस्वीर ट्वीट की है उसमें लिखा है पटना के रेस्टोरेंट में भकचोन्हर का बोर्ड दिखा। पूछे तो

बोला कि लालू जी द्वारा प्रयोग में लाया यगा स्वदेशी गुणगान है। हमारे होटल का नाम स्वदेशी है इसलिए चुन-चुन के स्वदेशी शब्द सब लटकाए हुए हैं। ग्राहक को बहुत अच्छा लगता है। सब सेल्फी लेता है। तस्वीर को रिट्वीट करते हुए राजद ने इशारों में लालू प्रसाद की लोकप्रियता की चर्चा की है। लिखा है कि, इसे कहते हैं मास लीडर। जो कह देते हैं वह बच्चे-बच्चे की जुबान पर चढ़ जाता है। जो नामकरण कर देते हैं वह सदा के लिए चिपक जाता है।बताया जाता है कि यह रेस्टोरेंट बोरिंग रोड में है। यहां खटिया पर यह बैनर टांगा गया है। इसमें भकचोन्हर शब्द की पूरी व्याख्या की गई है। अंग्रेजी में विवरण लिखा गया है जिसमें भकचोन्हर का अर्थ मूर्ख बताया गया है। अंग्रेजी में इन्कंपीटेंट और बेवकूफ लिखा गया है। इधर लालू प्रसाद की पुत्री रोहिणी आचार्य ने इसे ट्वीट करते हुए लिखा है नीति नियत और सिद्धांत पर अडिग रहकर मनुवादी ताकतों को धूल चटाकर, गरीब, वंचित और शोषित समाज को अधकिार दिला जाता है, लालू जी के जैसा मास लीडर वही कहलाता है। बता दें कि बिहार में भकचोन्हर के बाद ऐसे शब्दों का प्रचलन बहुत बढ़ गया है। पूर्व सीएम जीतन राम मांझी की बहू दीपा मांझी ने लालू प्रसाद के बेटे और बेटी के लिए आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग कर दिया। इसी तरह डिप्टी सीएम रेणु देवी ने आरा के एक नेता के संबंध में ऐसा बोल दिया जिससे बहुत बवाल मचा।

बिहार में कांग्रेस को लगा बड़ा झटका, कीर्ति झा आजाद को पसंद आई ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस

पटना (एजेंसी)। बिहार में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। मिथिलांचल के बड़े नेताओं में शुमार कीर्ति झा आजाद को कांग्रेस की बजाय अब ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस पसंद आ गई है। उनके पिता भागवत झा आजाद कांग्रेस के बड़े नेता थे और बिहार के मुख्यमंत्री भी रहे। कीर्ति झा की राजनीतिक पारी भाजपा के साथ भी रही है। भाजपा को छोड़ने के बाद ही उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन की थी। 18 फरवरी 2019 को उन्होंने राहुल गांधी की मौजूदगी में अपने पिता की पार्टी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी। समाचार एजेंसी एएनआइ ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि आज ही वे टीएमसी ज्वाइन कर लेंगे। कीर्ति भाजपा से दो बार दरभंगा के सांसद रहे हैं। 2019 में जब उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ली थी तो राहुल गांधी को मखाना की माला, पाग और चादर देकर सम्मानित किया था। भाजपा से निर्लंबित किए

जाने के बाद उन्होंने अपने लिए नई पार्टी तलाशी थी। हालांकि पार्टी में मिले स्थान से वे संतुष्ट नहीं हुए और एक बार फिर अपना ठिकाना बदलने का फैसला किया। ऐसी चर्चा है कि बिहार में भाजपा को छोड़कर कांग्रेस का दामन थामने वाले कुछ और नेता भी फिर से अपना ठिकाना बदल सकते हैं। इन नेताओं के लिए यशवंत सिन्हा बड़े मददगार साबित हो रहे हैं। ममता बनर्जी ने उन्हें अपनी पार्टी में बड़ा ओहदा दे रखा है। यशवंत सिन्हा भाजपा के कद्दावर नेताओं में शुमार रहे और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्रिमंडल के अंदर अहम जिम्मेदारियां संभालीं। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज दिल्ली में हैं। वे शाम पौने पांच बजे कीर्ति आजाद से मुलाकात करेंगी। इसी दौरान कांग्रेस नेता अपनी नई पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लेंगे।

पटना की सीडीपीओ के आवास पर निगरानी का छापा, आय से अधिक संपत्ति मामले में हुई थी प्राथमिकी

पटना (एजेंसी) । आय से अधिक संपत्ति के मामले में विशेष निगरानी की टीम ने धनरुआ सीडीपीओ ज्योति कुमारी के आवास पर छापेमारी की है। मंगलवार को ज्योति के आरपीएस मोड़ स्थित आवास पर छापेमारी की जा रही है। इनके खिलाफ 22 नवंबर को विशेष निगरानी इकाई ने मामला दर्ज कराया था। उसके बाद यह रेड की जा रही है। निगरानी की टीम उनके घर में जांच-पड़ताल कर रही है। एडीजी नैयर हसनैन खान के अनुसार एसवीयू ने ज्योति कुमारी के खिलाफ भादवि की धारा 13(1), 13(2) के तहत आय

से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था। सर्च वारंट स्पेशल कोर्ट की ओर से जारी किया गया था। इसी आलोक में रूपसपुर थाना क्षेत्र के आरपीएस मोड़ स्थित छापेमारी की जा रही है।

बता दें कि हाल के दिनों में आय से अधिक संपत्ति के मामले में कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। इससे पूर्व निर्लंबित डीटीओ, आइपीएस अधिकारी, इंजीनियर आदि के ठिकानों पर एसवीयू की रेड हो चुकी है। बता दें कि एसवीयू, निगरानी, ईओयू के रडार पर बिहार के भ्रष्ट अधिकारी हैं। छापेमारी में लाखों की अवैध कमाई उजागर होती है। छापेमारी के बाद अब सीडीपीओ की मुश्किलें बढ़ने वाली है। अधिकारियों के मुताबिक छापेमारी के बाद स्पष्ट हो सकेगा कि उन्होंने अपने पद पर रहते हुए कितनी काली कमाई की है। बहरहाल जांच एजेंसियों की कार्रवाई से भ्रष्ट अफसरों व कर्मियों के बीच इन दिनों हड़कंप मचा हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीडीपीओ के आवास से जमीन के कागजात और चार लाख रुपये नकदी बरामद हुए हैं। दस साल पहले वे सीडीपीओ बनी थीं। उनके पति अधिवक्ता हैं। कम समय में ही उन्होंने यह संपत्ति अर्जित कर ली है।

बिहार में अब तक 12 लाख से अधिक किसानों ने दिया अनुदान के लिए आवेदन, आप भी कर सकते हैं अप्लाई

पटना (एजेंसी) । बिहार में बाढ़-बारिश से किसानों की काफी फसलों की बर्बादी हुई थी। काफी खेत परती रह गए थे। किसानों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार कृषि इनपुट अनुदान दे रही। इसके लिए आवेदन की तिथि बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी गई है। राज्य के कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले आवेदन की तिथि 25 नवंबर थी, जिसे पांच दिन का विस्तार देते हुए अब 30 नवंबर कर दिया गया है। खरीफ मौसम में बाढ़-बारिश से प्रभावित किसान आनलाइन आवेदन दे सकते हैं। पीड़ित किसानों की बड़ी संख्या का आकलन करते हुए सरकार ने कृषि विभाग के डीबीटी पोर्टल पर सुबह नौ से शाम छह बजे तक आनलाइन आवेदन दे सकते है। पहले यह समय सुबह सात से रात आठ बजे तक निर्धारित था। कृषि मंत्री ने बताया कि अभी तक 30 जिलों के 11,45,745 किसानों ने कृषि इनपुट अनुदान के लिए आनलाइन आवेदन दिया है। परती भूमि के कारण हुई क्षति से प्रभावित 17 जिलों के 93,699 किसानों ने आवेदन दिया है। फसल क्षति के लिए वर्षाश्रित (असिंचित) फसल क्षेत्र के लिए 6,800 रुपये प्रति हेक्टेयर, सिंचित क्षेत्र के लिए 13,500 रुपये प्रति हेक्टेयर तथा शाश्वत फसल (गन्ना सहित) के लिए 18,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से कृषि इनपुट अनुदान दिया जाएगा।

राजद सुप्रीमो लालू यादव को सीबीआइ कोर्ट से बड़ी राहत, बांका ट्रेजरी केस की पटना में हुई सुनवाई

पटना (एजेंसी) । राजद सुप्रीमो लालू यादव को सीबीआइ कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। बांका कोषागार से 46 लाख रुपए की अवैध निकासी के मामले में कोर्ट ने उन्हें वकील के जरिए पेश होने के लिए छूट दी है। आज लालू ने इस मामले में स्वयं हाजिर होकर स्वास्थ्य आधार पर व्यक्तिगत पेशी से राहत के लिए अर्जी लगाई थी। कोर्ट ने इस मामले में लालू यादव सहित कुछ अन्य आरोपितों को स्वयं हाजिर होने का आदेश दिया था। इसके बाद ही बीमार लालू दिल्ली से सोमवार की शाम पटना पहुंचे। यह मामला बांका कोषागार से अवैध निकासी से जुड़ा हुआ है। बांका कोषागार से 46 लाख रुपए की निकासी का मामला 1996 से ही चल रहा है। इस मामले में कुल 28 लोगों पर आरोप हैं, जिनमें से करीब छह लोगों के मरने की सूचना अदालत को पहले ही मिल चुकी है। लालू इस मामले के मुख्य आरोपित हैं। बांका कोषागार मामले में लालू यादव विशेष सीबीआइ कोर्ट के न्यायाधीश प्रजेश कुमार के न्यायालय में सुबह 11 बजे पेश हुए। कोर्ट ने इस मामले

की अगली तारीख वा 30 नवंबर को सुनवाई होगी। इस मामले में कोर्ट के सामने हाजिर होने के लिए वे एक दिन पहले ही अपनी पत्नी राबड़ी देवी और बड़ी बेटी मीसा भारती के साथ पटना आ गए थे। पटना में वे अपनी पत्नी के सरकारी आवास पर ठहरे हुए हैं। इस दौरान राजद के कई वरिष्ठ नेताओं ने राबड़ी आवास जाकर उनसे मुलाकात की। आपको बता दें कि लालू यादव चारा घोटाले के एक मामले में पहले से ही सजायाफ्ता हैं और उन्हें स्वास्थ्य आधार पर आधी सजा पूर होने के बाद जमानत दी गई है। इस मामले में वे साढ़े तीन साल तक जेल में रहे हैं। लालू यादव बतौर बिहार का मुख्यमंत्री रहने के दौरान हुए चारा घोटाले के कुछ छह मामलों में फंसे हुए हैं। इनमें पांच मामले अब झारखंड में चले गए हैं, जबकि एक मामला पटना की सीबीआइ अदालत में चल रहा है। रांची की सीबीआइ अदालत में भी डोरंडा ट्रेजरी से 139 रुपए की अवैध निकासी के मामले में भी सुनवाई लगातार चल रही है। डोरंडा ट्रेजरी मामले में भी इसी महीने की 29 तारीख को सुनवाई होनी है। इस मामले में अब जल्द ही फैसला आने की उम्मीद भी जताई जा रही है।

बिहार में सैकड़ों सरकारी स्कूलों को बंद करने की तैयारी

पटना (एजेंसी) । बिहार में सैकड़ों सरकारी स्कूलों का अस्तित्व खत्म किया जा सकता है। सरकार इसके लिए तैयारी में जुट गई है। ये स्कूल वैसे हैं, जिनका खुद का भवन नहीं है और किसी अन्य स्कूल के परिसर में ही उनका संचालन हो रहा है। सरकार ने सभी जिलों से ऐसे स्कूलों की रिपोर्ट मंगाई है। करीब आधे जिलों से यह रिपोर्ट मिल गई है, लेकिन प्रदेश में एक ही भवन में चल रहे एक से अधिक विद्यालयों का विलय अब मूल विद्यालय में कर दिया जाएगा। इस क्रम में जहां ज्यादा शिक्षक होंगे, उन्हें जरूरत वाले विद्यालयों में स्थानांतरित किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने इस फैसले पर अमल करना शुरू कर दिया है। प्राथमिक शिक्षा निदेशक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने 18 जिलों से एक ही भवन में संचालित एक से अधिक विद्यालयों के बारे में जानकारी मांगी है। उन्होंने सोमवार को संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र भी लिखा है और सप्ताह भर में जानकारी देने को कहा है। वैसे 20 जिलों से इसकी रिपोर्ट आ भी गई है। अररिया, अरवल, औरंगाबाद, बेगूसराय, गोपालगंज, कैमूर, कटिहार, खगड़िया, किशनगंज,

मुजफ्फरपुर, नालंदा, नवादा, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, सारण, शिवहर, सिवान और वैशाली से रिपोर्ट नहीं मिली है।

बिहार के प्राय हर जिले में ऐसे स्कूल हैं, जिनका एक ही परिसर में संचालन किया जा रहा है। खासकर शहरी क्षेत्र के स्कूलों में ऐसी दिक्कत अधिक है। एक स्कूल के भवन में कहीं-कहीं तो चार से पांच तक स्कूलों का संचालन हो रहा है। ऐसे स्कूलों में अव्यवस्था और हंगामा होना आम बात है। सरकार ने ऐसे स्कूलों को भवन और जमीन उपलब्ध कराने की काफी कोशिश की। इसके बावजूद मसला नहीं सुलझने पर यह तय किया गया कि एक भवन में चलने वाले सभी स्कूलों को आपस में मर्ज कर दिया जाए। इससे प्रधान शिक्षक और प्रधानाध्यापक के पद घटेंगे।

बिहार के विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार का राजभवन कनेक्शन, कुलपति ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री दोनों को लिखा पत्र

पटना (एजेंसी) । मौलाना महजरुल हक अरबी-फारसी विश्वविद्यालय के नियमित कुलपति को प्रभार देने की तिथि को ही प्रभारी कुलपति ने टेंडर में बंदरबांट कर दिया। इसे लेकर कुलपति प्रो. मो. कुद्दुस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं राज्यपाल फागू चौहान को पत्र भेजा है। पत्र के अनुसार तत्कालीन कुलपति प्रो. एसपी ड्क्षसह ने राजभवन से नियमित कुलपति का नोटिफिकेशन होने के बाद प्रभार देने में देरी की। प्रभार देने की तिथि में ही आउटसोर्सिंग तथा उत्तर पुस्तिका आपूर्ति के लिए एजेंसी का टेंडर फाइनल कर दिया। टेंडर में बड़े स्तर पर गड़बड़ी उजागर हुई है। कुलपति प्रो. कुद्दूस ने पत्र भेजने की बात स्वीकारी है। कुलपति ने बताया कि दोनों मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी गई है। यह कमेटी तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी। एफओ पंकज कुमार की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। इसमें परीक्षा नियंत्रक प्रो. शौकत अली व एजाज आलम शामिल हैं। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसपी सिंह का पक्ष जानने के लिए काल किया गया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया। मैसेज का जवाब भी नहीं दिया। प्रो. सिंह लंबे समय से आर्यभट्ट नालेज यूनिवर्सिटी और पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति भी हैं। मुख्यमंत्री

को भेजे गए पत्र के अनुसार पटना की रिद्धि-सिद्धि आउटसोर्सिंग एजेंसी को 19 अगस्त को 45 मैनपावर आपूर्ति के लिए टेंडर फाइनल किया गया। इसके बाद एजेंसी की ओर से 80 मैनपावर के भुगतान के लिए बिल भेज दिया गया। जब भुगतान के लिए फाइल रोकी गई, तब अतुल श्रीवास्तव नाम के एक व्यक्ति ने राजभवन के पीबीएक्स नंबर से खुद को अधिकारी बताकर भुगतान के लिए दबाव बनाया। इसके बाद भी जब भुगतान का आदेश नहीं किया गया, तब पुरानी तिथि से ही एक और 80 मैनपावर आपूर्ति का पत्र कुलसचिव ने कुलपति के समझ रखा। लगातार दबाव बनाए जाने पर कुलपति ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल को पत्र भेजकर जांच टीम गठित कर दी। मौलाना मजहरुल हक अरबी फारसी विवि में पटना के एक प्रिड्क्षटग प्रेस से 32 पेज की कापी के लिए सात रुपये की दर निर्धारित है। प्रभारी कुलपति प्रो. एसपी सिंह ने लखनऊ की बीके प्रिंटिंग को उत्तर पुस्तिका की आपूर्ति के लिए टेंडर दे दिया। यह एजेंसी 16 रुपये की दर से विवि को उत्तर पुस्तिका मुहैया करा रहा है। कुलपति ने जब घालमेल देख तो एजेंसी को आपूर्ति से मना कर दिया। इस पर राजभवन से कुलपति को एजेंसी को पेमेंट के लिए विजय सिंह नाम के व्यक्ति ने भी फोन किया। यही एजेंसी मगध विश्वविद्यालय में भी कापी उपलब्ध कराती थी। जिसपर विशेष निगरानी की जांच चल रही है।

हिंदुस्तानी छोरे पर आ गया फ्रांसीसी मैम का दिल, सात समंदर पार से आकर बेगूसराय में रचाई शादी

भगवानपुर (बेगूसराय) (एजेंसी) । सात समंदर पार मैं तेरे पीछे-पीछे आ गई....। कुछ ऐसा ही हुआ बेगूसराय के भगवानपुर में। यहां के युवक के साथ फ्रांस की युवती ने हिंदू रीति-रिवाज से सात फेरे लिए। विदेशी दुल्हनियां को देखने गांव में भीड़ जुट गई। भगवानपुर प्रखंड के कटहरिया गांव में यह शादी हुई। भोज-भात का आयोजन भी किया गया। फ्रांस की मेरी ने अपना नाम बदलकर माया रख लिया है। उनके पति का नाम राकेश है। कटहरिया गांव निवासी रामचंद्र साह सपरिवार कोलकाता में रहते हैं। उनका पुत्र राकेश कुमार साह दिल्ली में टूरिस्ट गाइड का काम करता था। रामचंद्र साह ने बताया कि छह वर्ष पूर्व फ्रांस की मेरी लोरी हेरल भारत आई थी। मेरी को उनके बेटे ने ही दिल्ली घुमाया था। इसके बाद दोनों में करीबी बढ़ी। इंडिया से लौटने के बाद भी राकेश और मेरी की बातचीत होती रही। करीब तीन वर्ष पहले मेरी के बुलावे पर राकेश भी पेरिस चला गया। वहां दोनों कपड़े का व्यवसाय करने लगे। इसी क्रम में दोनों में प्रेम हो गया। इसकी जानकारी हुई तो दोनों के स्वजन शादी के लिए तैयार हो गए। पहले पेरिस में दोनों ने शादी की। मेरी को हिंदुस्तानी सभ्यता-संस्कृति इतनी पसंद थी कि उसने कहा कि वह राकेश के गांव में जाकर सात फेरे

लेंगी। इसके बाद मैरी अपने माता-पिता के साथ बेगूसराय पहुंची। यहां रविवार रात हिंदू रीति-रिवाज से दोनों की शादी हुई। विदेशी दुल्हनिया को देखने के लिए भीड़ लग गई। रिश्तेदारों और ग्रामीणों का तांता लगा रहा। दूल्हार-दुल्हन को लोगों ने खूब आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर रिसेप्शन का आयोजन किया गया। बताया गया कि नव दंपती व उनके माता-पिता सुबह की फ्लाइट से चले गए।

निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत लेते वारिसनगर सीओ और मथुरापुर ओपी अध्यक्ष को किया गिरफ्तार

समस्तीपुर (एजेंसी) । निगरानी विभाग पटना की टीम ने मंगलवार को वारिसनगर प्रंखड के अंचलाधिकारी संतोष कुमार तथा मथुरापुर ओपी अध्यक्ष संजय कुमार सिंह को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम दोनों को गिरफ्तार करने के बाद अपने साथ पटना ले गई। प्राप्त जानकारी के

अनुसार वारिसनगर सीओ के द्वारा किसी जमीनी मामले में पार्टी से रुपए की मांग की गई थी। इसकी जानकारी उसने निगरानी विभाग पटना को दे रखी थी। टीम ने पहले इस मामले की जांच की। फिर वारिसनगर सीओ को रंगेहाथ पकड़ने के लिए अपना जाल बिछाया। इसमें वारिसनगर सीओ फंसे गए और गिरफ्तार हो गए। बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह कार्यालय खुलते हीं निगरानी विभाग के तीन डीएसपी तथा तीन इंस्पेक्टर पांच गाड़ी से प्रखंड चौक स्थित पावर हाउस ग्राउंड में पहुंचकर पार्टी को 20 हजार रुपये रुपए देकर सीओ के कक्ष में भेजा। सीओ जब पार्टी से रुपए ले रहे थे तो निगरानी विभाग की टीम ने कक्ष में घुसकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया तथा पावर हाउस में लगी गाड़ी में पैदल ले जाकर पटना की ओर चले गए। वहीं मथुरापुर ओपी में भी दूसरी टीम ने छापामारी करते हुए आपी अध्यक्ष संजय कुमार सिंह को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। यहां भी एक व्यक्ति के द्वारा निगरानी विभाग से शिकायत की गई थी कि ओपी अध्यक्ष के द्वारा एक केस के सिलसिले में मोटी रकम की मांग की जा रही है। निगरानी विभाग के द्वारा पहले इस मामले की जांच की गई। इसके बाद रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। वारिसनगर प्रखंड के सीओ और इसी प्रखंड के मथुरापुर ओपी अध्यक्ष की घुस लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार होने की चर्चा हर जगह हो रही है।

रोज-रोज की जगहंसाई से आजिज स्वजनों के मोर्चा संभालते ही शराब से तौबा, पश्चिम चंपारण का मामला

पश्चिम चंपारण (एजेंसी) । जागरूक ग्रामीणों ने मोर्चा संभाला और माधोपुर मलाही टोला व हरपुर गढ़वा गांव के पियक्कड़ों ने तौबा कर ली। पहले एक मामा ने शराबी भांजे को पुलिस के सिपुर्द किया। उसके बाद एक मां ने दुलारे बेटे को। उसके बाद तो दर्जनभर पियक्कड़ों को इसी तरह पुलिस के हवाले किया गया। तीन हजार से अधिक की आबादी वाले ये दोनों गांव जिले के मझौलिया प्रखंड में हैं। छह महीने पहले शराबबंदी को लेकर जागरूक ग्रामीणों और मुखिया ने पहल की। लोगों से शराब नहीं पीने की अपील की गई। इसके प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद भी गांव के कुछ लोग बाज नहीं आ रहे थे। शराब पीकर हंगामा करते थे। रोज-रोज की जगहंसाई से आजिज आए स्वजनों ने ही सबक सिखाने की ठानी। पहले हरपुर गढ़वा के हीरालाल ठाकुर ने अपने भतीजे प्रवेश ठाकुर को शराब पीकर हंगामा करने पर पुलिस को सूचना देकर जेल भिजवा दिया। इसी तरह का कदम माधोपुर मलाही टोला की मां ने बेटे झुन्नू कुमार को लेकर उठाया। उसके बाद तो दर्जनभर पियक्कड़ों के बारे में पुलिस को सूचना

देकर स्वजनों ने ही जेल भिजवा दिया। ग्रामीणों की इस पहल से शराबियों पर अच्छा असर हो रहा है। हरपुर गढ़वा के इरशाद आलम कहते हैं कि शराबियों की हरकत से नजदीकी व रिश्तेदार परेशान रहते थे। आए दिन परिवार में कलह का माहौल रहता था। शराब पीकर घर में गाली-गलौज व मारपीट आम बात थी। समाज में इज्जत कम हो जाती थी। इससे आजिज ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना देनी शुरू कर दी। आज गांव के जब्बार व तसलीन सहित दर्जनभर लोग शराब से तौबा कर बेहतर ड्क्षजदगी जी रहे हैं। इसी तरह माधोपुर मलाही के राजू कुमार व हीरालाल चौधरी ने शराब त्याग दिया है। हरपुर गढ़वा के अशोक शर्मा कहते हैं कि जिन शराबियों ने शराब नहीं छोड़ी, उन्हें जिला स्तर पर बने नशामुक्ति केंद्र भेजा गया। ऐसे लोगों की संख्या आधा दर्जन है। पुलिस उपाधीक्षक मुकुल परिमल पांडेय का कहना है कि ग्रामीणों की अच्छी पहल से शराब पर रोक लगाने में सफलता मिल रही है। अन्य गांवों के लोग भी इसी तरह जागरूक हो जाएं तो अपराध की बहुत सी घटनाओं पर रोक भी लग जाएगी।

मुजफ्फरपुर में दुष्कर्म व महिला हिंसा के मामले में मुकम्मल जांच नहीं कर पा रही पुलिस

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) । दुष्कर्म व महिला हिंसा मामले की मुकम्मल जांच पुलिस नहीं कर पा रही है। इस जांच को वह जैसे-तैसे निबटा रही है। जांच के बाद तैयार चार्जशीट में काफी त्रुटियां होती है। इस चार्जशीट को अगर कोर्ट में दाखिल कर दिया जाए तो इसकी त्रुटियां आरोपितों को लाभ दिला सकती है। एक माह के अंदर जिला अभियोजन कार्यालय ने 10 चार्जशीट को त्रुटिपूर्ण पाया है।

ऐसे चार्जशीट को अभियोजन कार्यालय ने आइओ को लौटा दिया है। जिला अभियोजन पदाधिकारी ज्ञानचंद भारद्वाज ने बताया कि त्रुटिपूर्ण चार्जशीट को सुधार कर लाने को निर्देश आइओ को दिया गया है। उन्होंने मामले की गुणवत्तापूर्ण जांच के लिए एसएसपी को पत्र भी भेजा है। इसकी प्रति डीएम को भी भेजी गई है। उन्होंने बताया कि जांच में त्रुटि होने का लाभ आरोपितों को मिल जाता है। मामले के विचारण के समय अभियोजन साक्ष्य कमजोर हो जाता है।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में मिताली तीसरे, झूलन दूसरे स्थान पर बरकरार

दुबई (एजेंसी) । भारतीय कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को यहां जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा है जबकि उनकी हमवतन अनुभवी खिलाड़ी झूलन गोस्वामी गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर कायम हैं। महिला बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मिताली 738 अंक के साथ दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली (761) और आस्ट्रेलिया की एलिसा हीली (750) से पीछे हैं। एक अन्य भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना 710 अंक के साथ छठे स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजों की सूची में झूलन (727) शीर्ष पर चल रही आस्ट्रेलिया की जेस योनासेन (760) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रविवार को जिंबाब्वे में आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर में बांग्लादेश के खिलाफ 24 रन देकर दो विकेट चटकाने वाली पाकिस्तान की बायें हाथ की स्पिनर नाशरा संधू चार स्थान के फायदे से 17वें पायदान पर पहुंच गई हैं। बांग्लादेश के बल्लेबाजों को फायदा हुआ है। फरगाना हक और रुमाना अहमद आगे बढ़ने में सफल रहे हैं। फरगाना ने 90 गेंद में 45 रन की पारी खेलकर बांग्लादेश की जीत की नींव रखी और वह एक पायदान के फायदे से 25वें स्थान पर हैं। नाबाद 50 रन की पारी खेलने वाली रुमाना पांच पायदान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

रहाणे लय हासिल करने से सिर्फ एक पारी दूर: पुजारा

कानपुर (एजेंसी) । भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफपहले टेस्ट से पहले अजिंक्य रहाणे का समर्थन करते हुए कहा कि स्टैंड-इन कप्तान एक महान क्रिकेटर हैं और अपनी लय वापस पाने से सिर्फएक पारी दूर हैं। पुजारा ने अपने स्वयं के मानकों के अनुसार बल्ले से एक सामान्य वर्ष बिताया है, यहां वह 25 नवंबर को विश्व टेस्ट चौंपियन के खिलाफपहले मैच में रहाणे के डिप्टी होंगे। रहाणे का 11 टेस्ट में सिर्फ 19 से अधिक का औसत है और वह अपनी फॉर्म को फिर से हासिल करना चाहेंगे। अपने साथी की खराब पफॉर्मेन्स के बारे में पूछे जाने पर, पुजारा ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, रहाणे एक महान खिलाड़ी हैं। ऐसे समय होते हैं जब कोई खिलाड़ी इन दौरों से गुजरता है। वह लय वापस पाने से सिर्फएक पारी दूर है। उन्हें सीरीज में अच्छे रन मिलेंगे। 2019 से, 33 वर्षीय मुंबई के बल्लेबाज ने 40 टेस्ट खेले हैं और सात अर्धशतक और तीन शतक लगाए हैं। रहाणे कानपुर में श्रृंखला के पहले टेस्ट में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें विराट कोहली दूसरे टेस्ट के लिए लौटेंगे। वह ड्रेसिंग रूम में नवनियुक्त मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ शामिल होंगे।

दिसंबर में बीडब्ल्यूएफएथलीट आयोग का चुनाव लड़ेगी सिंधू

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू 17 दिसंबर से स्पेन में होने वाली विश्व चौम्पियनशिप के दौरान बीडब्ल्यूएफ एथलीट आयोग का चुनाव लड़ेगी। मौजूदा विश्व चौम्पियन सिंधू इस समय बाली में इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट खेल रही है।वह छह पदों के लिये नामित नौ खिलाड़ियों में से एक हैं।

खेल की शीर्ष ईकाई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''एथलीट आयोग (2021 से 2025) का चुनाव 17 दिसंबर 2021 को टोटल एनर्जीज बीडब्ल्यूएफविश्व चौम्पियनशिप के साथ स्पेन में होगा। मौजूदा खिलाड़ियों में से सिर्फसिंधू दोबारा चुनाव के लिये खड़ी होंगी। उन्हें पहले 2017 में भी चुना गया था। वह इस चक्र के लिये छह महिला प्रतिनिधियों में से एक है।'' सिंधू के साथ इंडोनेशिया की महिला युगल खिलाड़ी ग्रेसिया पोली भी होंगी जो तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रही हैं। सिंधू को मई में आईओसी के 'बिलीव इन स्पोटर्स 'अभियान के लिये भी एथलीट आयोग में चुना गया था।

भारत के खिलाफ हम तीन स्पिनरों को मैदान में उतार सकते है: स्टीड

कानपुर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि भारत के खिलाफगुरुवार से यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में अगर परिस्थितियों की मांग हुई तो वह तीन विशेषज्ञ स्पिनरों को अंतिम एकादश में शामिल कर सकते है। स्टीड का मानना है कि भारत के खिलाफदो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में उस तरह की पिच नहीं होगी जैसा कि इंग्लैंड को विराट कोहली की टीम के खिलाफ अहमदाबाद में मिला था। स्टीड ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' आपको इसका कारण पता करना होगा कि टीमें यहां अक्सर आती है लेकिन जीत नहीं पाती है।

इससे पता चलता है कि यहां चुनौती कितनी बड़ी है। '' स्टीड ने संकेत दिया कि मुंबई में जन्में बाये हाथ के स्पिनर ऐजाज पटेल का श्रृंखला के टेस्ट मैच में खेलना लगभग तय है। उन्होंने कहा, '' चार तेज गेंदबाजों और एक कामचलाऊ स्पिनर के साथ खेलने का हमारा पारंपरिक तरीका यहां सफ्ल नहीं हो सकता है। आप इस मैच में तीन स्पिनरों को खेलते हुए भी देख सकते हैं। इसके मामले पर फैसला पिच का मुआयना करने के बाद होगा।'' स्टीड ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट के मूल सिद्धांत वही रहेगा लेकिन परिस्थितियों के आधार पर दृष्टिकोण में बदलाव करना होगा।

उन्होंने कहा, अगर मैं अपनी टीम की दृष्टिकोण से बात करूं तो हमें अपने खेलने के तरीके को बदलना होगा, लेकिन टेस्ट क्रिकेट के सिद्धांतों पर भी टिके रहना जरूरी होगा। हम लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी बने रहने की कोशिश करेंगे।'' यह पूछे जाने पर कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत के पिछले घरेलू टेस्ट के दौरान जैसी पिचें थी, क्या उसे लेकर वह मैदानकर्मियों से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ऐसे कुछ करने की जरूरत है क्योंकि उस समय एक ही स्थान पर कई टेस्ट मैच खेलने थे।

उन्होंने कहा, देखिए, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां थीं, लेकिन इस बार यह अंतर है कि हमें दो अलग अलग स्थलों पर टेस्ट मैच खेलना है। इंग्लैंड को एक ही मैदान पर दो टेस्ट मैच खेलने पड़े थे। उन्होंने कहा, हम जानते है कि हमारे लिए दोनों मैदान पर परिस्थितियां काफी अलग होगी क्योंकि कानपुर में पिच काली मिट्टी की है जबकि मुंबई में यह लाल मिट्टी की है।

क्यूबा की महिला ने माराडोना पर शोषण करने का आरोप लगाया

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी) । दिवंगत स्टार डिएगो माराडोना के साथ रिश्ते में रही क्यूबा की महिला मार्विस अल्वारेज ने इस फुटबॉल खिलाड़ी के खिलाफ नशीली दवाओं की लत लगाने के साथ शारीरिक और यौन हिंसा का आरोप लगाया है। मानव तस्करी से जुड़े मामले में अर्जेंटीना की अदालत में बयान दर्ज करने के लिए पहुंची इस महिला ने कहा कि उनके साथ यह अत्याचार उस समय शुरू हुआ जब वह महज 16 साल की थी। क्यूबा छोड़ अमेरिका में जा बसी अल्वारेज ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि फिदेल कास्त्रो की सरकार और माराडोना के करीबी रिश्ते के कारण लगभग पांच साल के उनके रिश्ते के दौरान हुई अत्याचारों का खुलासा नहीं हो सका था।

फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक माराडोना ने अधिक मात्रा में ड्रग के सेवन के कारण मौत की कगार पर पहुंचने के बाद खुद कास्त्रो के निमंत्रण पर कोकीन की लत के इलाज के लिए कई साल क्यूबा में बिताये थे। सैतीस साल की अल्वारेज कथित मानव तस्करी की प्रारंभिक जांच में सहयोग के लिए अर्जेंटीना की न्याय प्रणाली के समक्ष गवाही देने के लिए पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स पहुंची है। माराडोना की पिछले साल नवंबर में मृत्यु हो गई थी लेकिन महिला के कानूनी प्रतिनिधि पूर्व फुटबॉलर के करीबी सहयोगियों को निशाना बना रहे हैं। इसमें उनके पूर्व प्रबंधक गिलर्मो कोपोला और 2000 की दशक की शुरुआत में उनके साथ क्यूबा में रहने वाले अर्जेंटीना के उनके दोस्त शामिल है।

जूनियर हॉकी विश्व कप : ओलंपिक पदक विजेता सीनियर टीम से प्रेरणा लेकर उतरेगी गत चैम्पियन भारतीय टीम

भुवनेश्वर (एजेंसी) । भारतीय जूनियर हॉकी टीम फ्रांस के खिलाफ बुधवार को जूनियर हॉकी विश्व कप के पहले मुकाबले में उतरेगी तो खिताब की रक्षा के लिये उसकी प्रेरणा सीनियर टीम होगी जिसने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था।

भारतीय सीनियर पुरूष हॉकी टीम ने 41 साल का इंतजार खत्म करके तोक्यो ओलंपिक में कांसे का तमगा अपने नाम किया। जूनियर टीम की नजरें तीसरे विश्व कप पर लगी होंगी। सबसे पहले आस्ट्रेलिया के होबार्ट में 2001 में भारत ने जूनियर हॉकी विश्व कप जीता और फिर 2016 में लखनऊ में खिताब अपने नाम किया। सीनियर हॉकी टीम में जगह बनाने के लिये जूनियर हॉकी विश्व कप अहम कड़ी माना जाता है। जूनियर विश्व कप 2016 की टीम में शामिल नौ खिलाड़ियों ने तोक्यो ओलंपिक खेला था। विवेक सागर प्रसाद की अगुवाई वाली भारतीय टीम के सदस्य अपने प्रदर्शन के दम पर सीनियर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचना चाहेंगे। टूर्नामेंट से पहले सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहने, अभ्यास करने और मैच खेलने का उन्हें काफी फायदा मिला है। मनप्रीत सिंह और पी आर श्रीजेश जैसे सीनियर खिलाड़ियों के अलावा भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने जूनियर टीम के साथ भी काफी मेहनत की है जिसके कोच बी जे करियप्पा हैं।

अर्जुन पुरस्कार प्राप्त प्रसाद के रूप में जूनियर टीम के पास ऐसा कप्तान है जो शीर्ष स्तर पर खेल चुका है और ओलंपिक पदक जीत चुका है। स्टार ड्रैग फ्लिकर संजय उपकप्तान होंगे। प्रसाद ने कहा, ''हमारी टीम 2016 में चौम्पियन बनी और अब उसी तरह से प्रदर्शन करना चाहते हैं।'' मुख्य कोच रीड ने कहा कि सीनियर के साथ अभ्यास का जूनियर टीम को फायदा मिला है।उन्होंने कहा, ''हम विदेश में नहीं खेल सके लेकिन जूनियर खिलाड़ियों ने भुवनेश्वर में सीनियर टीम के साथ अभ्यास मैच खेले जिसका फायदा मिला है।'' उन्होंने कहा,''भुवनेश्वर आने के बाद से हम हालात के अनुकूल ढलने में लगे हैं। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले यहां अभ्यास करना अच्छा रहा।''

भारत को पूल बी में फ्रांस, कनाडा और पोलैंड के साथ रखा गया है।पूल ए में बेल्जियम, मलेशिया, चिली और दक्षिण अफ्रीका हैं जबकि पूल सी में नीदरलैंड, स्पेन, कोरिया और अमेरिका की टीमें हैं।पूल डी में जर्मनी, पाकिस्तान, मिस्र और अर्जेंटीना हैं। हर पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड के साथ भारत प्रबल दावेदारों में से है चूंकि आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने कोरोना संबंधी यात्रा प्रतिबंधों के कारण नाम वापिस ले लिया है। जर्मनी ने अब तक छह बार और भारत ने दो बार खिताब जीता है।अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने एक एक बार खिताब अपने नाम किया है। रीड ने कहा, ''हमने 18 सदस्यीय टीम चुनी है और दो वैकल्पिक खिलाड़ी हैं। यह टीम दोबारा खिताब जीतने में सक्षम है क्योंकि काफी संतुलित है।इन्हें एक दूसरे पर और अपनी तैयारियों पर पूरा भरोसा है।'' फ्रांस के बाद भारत 25 नवंबर को कनाडा से और 27 नवंबर को पोलैंड से खेलेगा। सभी मैच कलिंगा स्टेडियम पर जैव सुरक्षित माहौल में दर्शकों के बिना खेले जायेंगे। पहले दिन ही बेल्जियम का सामना दक्षिण अफ्रीका से, मलेशिया का चिली से, जर्मनी का पाकिस्तान और कनाडा का पोलैंड से होगा।

टिम पेन के साथ हुए व्यवहार से हैरान है क्रिकेट तस्मानिया

होबार्ट (एजेंसी) । आस्ट्रेलिया की घरेलू क्रिकेट टीम, क्रिकेट तस्मानिया (सीटी) ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम पेन के साथ किए गए व्यवहार से परेशान है, जिन्होंने हाल ही में एक ऑफफील्ड स्कैंडल के बाद स्वेच्छा से टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। उन्होंने साल 2017 में एक पूर्व सीटी कर्मचारी को टेक्स्ट संदेश भेजे थे। क्रिकेट तस्मानिया के अध्यक्ष एंड्रयू गैगिन ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि पूर्व टेस्ट कप्तान को कभी भी ऐसी स्थिति में नहीं डालना चाहिए था, जिसमें उन्होंने 8 दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाली एशेज से पहले कप्तान के रूप में इस्तीफा दे दिया हो।

गैगिन ने मंगलवार को कहा, हाल के दिनों में मैंने जो बातचीत की है, उससे यह स्पष्ट है कि तस्मानियाई क्रिकेट समुदाय और आम जनता में गुस्सा साफ है। टिम पेन पिछले चार वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक प्रकाशस्तंभ रहा है और केप टाउन की आपदा के बाद राष्ट्रीय टीम की प्रतिष्ठा को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बॉल टैंपरिंग प्रकरण- जिसे सैंडपेपर-गेटस्कैंडल भी कहा जाता है, 2018 में केप टाउन टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की प्रतिष्ठा को बचाने के लिए पेन को टेस्ट कप्तान बनाया गया था। ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ी- तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उनके डिप्टी डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को स्कैंडल के मद्देनजर प्रतिबंधित कर दिया गया था। गैगिन ने कहा, फिर भी, ऐसे समय में जब सीए को टिम का समर्थन करना चाहिए था, उन्हें स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य माना जाता था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान के साथ किया गया व्यवहार भयावह है और बिल लॉरी के बाद से 50 साल पहले सबसे खराब है। क्रिकेट तस्मानिया बोर्ड ने अपने विचार की पुष्टि की कि पाइन को उस स्थिति में नहीं रखा जाना चाहिए था जहां उन्हें एक घटना पर इस्तीफा देने की आवश्यकता महसूस हुई थी। यह उस समय एक स्वतंत्र जांच द्वारा निर्धारित किया गया था कि यह आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है और एक सहमति और निजी आदान-प्रदान जो दो परिपक्व वयस्कों के बीच हुआ और दोहराया नहीं गया। पाइन वर्तमान में तस्मानिया सेकेंड इलेवन मैच में खेल रहे हैं और होबार्ट में लिंडिसफर्ने ओवल में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रतियोगिता के शुरुआती दिन स्टंप के पीछे छह कैच लेने के बाद मंगलवार को एक रन पर आउट हो गए थे।

60 साल के हुए मर्व ह्यूज, आईसीसी ने मूंछों की तारीफकरते हुए अलग अंदाज में दी बधाई

दुबई (एजेंसी) । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मर्व ह्यूज को मंगलवार को उनके 60वें जन्मदिन पर बधाई दी। उनकी हैंडलनुमा मूंछों की तारीफ करते हुए आईसीसी ने ट्वीट किया, हैप्पी बर्थडे, मर्व ह्यूज। क्रिकेट मैदान में सबके पसंदीदा खिलाड़ी ह्यूज ने अपने 15 से अधिक वर्षों के प्रतिस्पर्धी करियर में क्रमशः 53 टेस्ट और 33 एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें क्रमशः 212 और 38 विकेट लिए। ईसीसी ने ट्विटर पर लिखा, क्रिकेट के इतिहास की सबसे बड़ी मूंछें? (चेहरा इमोजी)। जन्मदिन मुबारक हो, मर्व ह्यूज! (शॉर्टकेक प्रतीक)। कुछ ही समय में, ट्वीट को भारतीय वायु सेना के लड़ाकू पायलट अभिनंदन की तस्वीरें पोस्ट करने वाले प्रशंसकों के साथ हजारों प्रतिक्रियाएं मिलीं, जो उनके विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद पाकिस्तान की ओर से पकड़े गए थे, हालांकि उन्हें कुछ दिनों के भीतर छोड़ दिया गया था। प्रशंसकों में से एक ने अभिनंदन की एक तस्वीर पोस्ट की, जो ह्यूज की तरह मूंछें भी रखते हैं और लिखा, मेरे बारे में क्या, एक ऑलराउंडर अभिनंदन ! ह्यूज को 1993 एशेज में उनके प्रदर्शन के लिए जाना जाता है।

गेंदबाजी साथी क्रेग मैकडरमोट के बाहर होने के बाद, इस गेंदबाज ने छह टेस्ट मैचों में लगभग 300 ओवर किए और 31 विकेट लिए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 4-1 से श्रृंखला जीत ली। ह्यूज ने 2005 में ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता के रूप में एलन बॉर्डर की जगह क्रिकेट प्रशासन में कदम रखा। ह्यूज ने इस साल फरवरी में क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू को बताया था, मुझे ऐसा नहीं लगा कि मैं 1990/91 की गर्मियों तक ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा था।

स्मिथ को फिर कप्तान बनाने से और जगहंसाई ही होगी: इयान हीली

मेलबर्न (एजेंसी) । पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज इयान हीली का मानना है कि आगामी एशेज श्रृंखला के लिये अगर टिम पेन की जगह स्टीव स्मिथ को फिर आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया तो इससे जगहंसाई ही होगी। चार साल पहले एक महिला सहकर्मी को अश्लील मैसेज भेजने का मामला हाल ही में फिर प्रकाश में आने के बाद पेन ने कप्तानी छोड़ दी। पेन को 2018 में स्मिथ की ही जगह कप्तान बनाया गया था जो गेंद से छेड़खानी मामले में प्रतिबंध झेल रहे थे। अब चर्चा है कि कप्तानी के लिये फिर स्मिथ के नाम पर विचार हो रहा है। हीली ने कहा कि स्मिथ को फिर कप्तान बनाने से आस्ट्रेलियाई क्रिकेट का भला नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''इससे जगहंसाई ही होगी। मुझे स्टीव स्मिथ को दोबारा कप्तान बनाने पर कोई ऐतराज नहीं है। उसने आलसी कप्तान होने का भारी खामियाजा भुगता है।'' पेन के कप्तानी छोड़ने के फैसले पर उन्होंने कहा, ''यह उसका अपना फैसला था। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा है कि वह बना रह सकता है और कोच भी यही चाहते थे लेकिन वह नहीं चाहता था कि इस सर्कस में वह फोकस हटने का कारण बने।'' पहला एशेज टेस्ट आठ दिसंबर से शुरू होगा।

भारत के खिलाफ हम तीन स्पिनरों को मैदान में उतार सकते है: स्टीड

कानपुर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि भारत के खिलाफगुरुवार से यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में अगर परिस्थितियों की मांग हुई तो वह तीन विशेषज्ञ स्पिनरों को अंतिम एकादश में शामिल कर सकते है।

स्टीड का मानना है कि भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में उस तरह की पिच नहीं होगी जैसा कि इंग्लैंड को विराट कोहली की टीम के खिलाफ अहमदाबाद में मिला था। स्टीड ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''आपको इसका कारण पता करना होगा कि टीमें यहां अक्सर आती है लेकिन जीत नहीं पाती है। इससे पता चलता है कि यहां चुनौती कितनी बड़ी है। '' स्टीड ने संकेत दिया कि मुंबई में जन्में बाये हाथ के स्पिनर ऐजाज पटेल का श्रृंखला के टेस्ट मैच में खेलना लगभग तय है। उन्होंने कहा, ''चार तेज गेंदबाजों और एक कामचलाऊ स्पिनर के साथ खेलने का हमारा पारंपरिक तरीका यहां सफ्ल नहीं हो सकता है। आप इस मैच में तीन स्पिनरों को खेलते हुए भी देख सकते हैं। इसके मामले पर फैसला पिच का मुआयना करने के बाद होगा।'' स्टीड ने कहा कि

टेस्ट क्रिकेट के मूल सिद्धांत वही रहेगा लेकिन परिस्थितियों के आधार पर दृष्टिकोण में बदलाव करना होगा। उन्होंने कहा, ''अगर मैं अपनी टीम की दृष्टिकोण से बात करूं तो हमें अपने खेलने के तरीके को बदलना होगा, लेकिन टेस्ट क्रिकेट के सिद्धांतों पर भी टिके रहना जरूरी होगा। हम लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी बने रहने की कोशिश करेंगे।'' यह पूछे जाने पर कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत के पिछले घरेलू टेस्ट के दौरान जैसी पिचें थी, क्या उसे लेकर वह मैदानकर्मियों से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ऐसे कुछ करने की जरूरत है क्योंकि उस समय एक ही स्थान पर कई टेस्ट मैच खेलने थे। उन्होंने कहा, ''देखिए, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां थीं, लेकिन इस बार यह अंतर है कि हमें दो अलग अलग स्थलों पर टेस्ट मैच खेलना है। इंग्लैंड को एक ही मैदान पर दो टेस्ट मैच खेलने पड़े थे। उन्होंने कहा, ''हम जानते है कि हमारे लिए दोनों मैदान पर परिस्थितियां काफी अलग होगी क्योंकि कानपुर में पिच काली मिट्टी की है जबकि मुंबई में यह लाल मिट्टी की है।

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक टीम के रूप में फोकस बनाये रखो, मनप्रीत की जूनियर टीम को सलाह

भुवनेश्वर (एजेंसी) । तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने जूनियर कप्तान विवेक सागर प्रसाद को सलाह दी है कि एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप जैसे अहम टूर्नामेंट में विषम परिस्थितयों में भी एक टीम के तौर पर फोकस बनाये रखना ही सफलता की कुंजी होगा। गत चौम्पियन भारत को कलिंगा स्टेडियम पर गुरूवार को फ्रांस से पहला मैच खेलना है।

मनप्रीत ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, ''मैने विवेक से कई बार बात की है। मैने उसे कहा कि सबसे जरूरी बात एक टीम के रूप में बने रहना है।''

उन्होंने कहा, ''जीत और हार खेल का हिस्सा है लेकिन हारने पर ऊंगलियां उठने लगती है। मैने उससे कहा कि इससे बचना है और अपने खेल पर फोकस रखना है। एक टीम के रूप में ही खेलना है जिससे हर मैच जीतने में मदद मिलेगी।''

प्रसाद तोक्यो ओलंपिक टीम का हिस्सा थे। भारतीय जूनियर टीम ने तैयारियों के लिये सीनियर खिलाड़ियों के साथ अभ्यास किया।

मनप्रीत ने कहा, ''उन्होंने हमें एक मैच में हरा दिया था। मुझे यकीन है कि वे फाइनल तक पहुंचेंगे। एक टीम के रूप में पूरे टूर्नामेंट में खेलते रहे तो ट्रॉफी भी जीत लेंगे।'' ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम के एक अन्य सदस्य पी आर श्रीजेश का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को दर्शकों की कमी खलेगी क्योंकि यह टूर्नामेंट कोरोना महामारी के कारण दर्शकों के बिना हो रहा है। उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ महीने से बेंगलुरू में यह टीम शानदार खेल रही है। हमने भी उनके खिलाफकुछ मैच खेले। लेकिन मुझे लगता है कि दर्शकों की कमी खलेगी। कलिंगा स्टेडियम की यह खूबी है कि वहां दर्शक जमकर हौसलाअफजाई करते हैं। वह शोर और तालियां, उसकी कमी खलेगी। इसके बावजूद मुझे यकीन है कि वे शानदार प्रदर्शन करेंगे।

पैट कमिंस को कप्तान बनाने का सही समय: वॉर्न

मेलबर्न (एजेंसी) । महान स्पिन गेंदबाज शेन वॉर्न ने पैट कमिंस को आस्ट्रेलिया का अगला टेस्ट कप्तान बनाने का समर्थन करते हुए कहा है कि अब समय आ गया है कि यह तेज गेंदबाज टिम पेन से यह जिम्मेदारी ले। एक महिला सहकर्मी को 2017 में अश्लील मैसेज भेजने की क्रिकेट आस्ट्रेलिया द्वारा जांच के बीच पेन ने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी है। वॉर्न का मानना है कि मौजूदा उपकप्तान कमिंस को एशेज श्रृंखला से पहले कप्तान बनाया जाना चाहिये। उन्होंने आस्ट्रेलिया के 'द डेली टेलीग्राफ' से कहा, ''मेरा मानना है कि पैट कमिंस को कप्तान बनाने का यह सही समय है। पेन के इस्तीफे से पहले ही मैने यह सोचा था।'' कमिंस ने 2011 में आस्ट्रेलिया के लिये पहला टेस्ट खेला और अब तक 32 टेस्ट में 164 विकेट ले चुके हैं। वॉर्न ने कहा, ''इस पोस्टर ब्वॉय से दुनिया भर में लोग प्यार करते हैं और उसका सम्मान करते हैं। पैट कमिंस को कप्तान बनाया जाना चाहिये। मैथ्यू वेड, जोश इंगलिस या एलेक्स कारी को पेन की जगह टेस्ट टीम में रखना चाहिये।'' उन्होंने कहा ,''इंगलिस विकेटकीपर के रूप में मेरी पहली पसंद है। वह 360 डिग्री खिलाड़ी है और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पिछले सत्र में तीन शतक बना चुका है। '' उन्होंने पेन के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि वह भी इंसान है और एक घटना के आधार पर उसका आकलन नहीं करना चाहिये। उन्होंने कहा, ''जो कुछ हुआ , वह दुखद है।मुझे उसके लिये और उसके परिवार के लिये बुरा लग रहा है। मैं इस घटना के आधार पर उसका आकलन नहीं

करूंगा। सार्वजनिक जीवन में होने का यह मतलब नहीं कि वह गलती नहीं करेगा। खिलाड़ी भी इंसान है और उनके भी जज्बात होते हैं। टीका टिप्पणी करना बंद करें, यह हमारा काम नहीं है।

Organizer
महानगर मेल NEWS
MUMBAI - DELHI महानगर मेल National Hindi Newspaper
MAHANAGAR GLOBAL ACHIEVERS' AWARD
5th MAHANAGAR GLOBAL ACHIEVERS AWARD
Seminar & Award Ceremony
FIT INDIA
SAVE WATER
PRACTICE YOGA
स्वस्थ भारत–स्वच्छ भारत
EVENT MANAGEMENT BY
SCEO
Sheetal Creative Event Organizer
MASH
WEDNESDAY 24th NOV, 2021
MAHANAGAR
GLOBAL ACHIEVERS' AWARD
SEASON 5
महानगर मेल
VENUE
MULTIPURPOSE HALL, INDIA INTERNATIONAL CENTRE
MAX MUELLER ROAD, LODHI ESTATE NEW DELHI
OUR SPONSORS
cozier™ enterprises
SMI
SANMAH MANAGEMENT INDIA PRIVATE LIMITED
PSV
PSV FACILITIES INDIA PRIVATE LIMITED
DIGIPRIME
PRIYA INTERNATIONAL BRAND